हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 05 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक :54 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) में नेताओं को पद तो मिल गये मगर

असली ताकत नरेन्द्र मोदी -अमित शाह के पास

एक सरकारी अधिसूचना में जानकारी दी गयी है कि सुरक्षा मामलों से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) में प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बुधवार को विभिन्न मंत्रिमंडलीय समितियों का गठन किया, जिनमें सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक मामलों से संबंधित देश की सर्वोच्च निर्णायक समितियां भी शामिल हैं। इन मंत्रिमंडलीय समितियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों- जनता दल यूनाइटेड (जदयू), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल सेक्युलर (जद एस), शिवसेना, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कोटे से बने मंत्रियों को जगह मिली है।एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, सुरक्षा मामलों से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) में प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल हैं। हम आपको बता दें कि सीसीएस सुरक्षा एवं सामरिक मामलों से संबंधित सभी मुद्दों पर देश का शीर्ष निर्णायक निकाय है।आर्थिक मामले संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी शामिल हैं। इस समिति में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पंचायती राज एवं मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी शामिल हैं। हम आपको बता दें कि यह समिति अर्थव्यवस्था एवं व्यापार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करती है और निर्णय लेती है।राजनीतिक मामले से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा राजनाथ सिंह, शाह, गडकरी, सीतारमण, गोयल, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, नागर विमानन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू, सूक्ष्म, लघु और मध्य उपक्रम मंत्री जीतन राम मांझी, बंदरगाह एवं पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संसदीय मामलों के मंत्री किरण रीजीजू और कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल हैं। हम आपको बता दें कि यह समिति देश के बड़े राजनीतिक मुद्दों को संभालती है।संसदीय मामले से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नड्डा, सीतारमण, राजीव रंजन सिंह, नायडू, रीजीजू, सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार, आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम और जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल शामिल हैं। इस समिति में कानून राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और कानून राज्य मंत्री एल मुरुगन विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। हम आपको बता दें कि यह समिति संसद सत्र आहूत करने जैसे विषयों पर निर्णय लेती है। वहीं दूसरी ओर, निवेश एवं वृद्धि से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी, राजनाथ सिंह, शाह, गडकरी, सीतारमण, गोयल, उपभोक्ता मामले के मंत्री प्रल्हाद जोशी, कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान हैं।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली आ रहे हैं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, मोदीसे होगी मुलाकात,

एजेंसी

नई दिल्ली:तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू बुधवार और गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में रहेंगे। उम्मीद है कि नायडू अपनी मांगों की एक लंबी सूची के साथ राजधानी पहुंचेंगे। हाल ही में संपन्न चुनावों में सत्ता में आने के बाद, यह पहली बार है जब वह विशेष रूप से राज्य से संबंधित मुद्दों पर केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने जा रहे हैं। इससे पहले वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे।नायडू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही उनके गृह मंत्री अमित शाह के अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने की संभावना है। वह पोलावरम बांध परियोजना को पूरा करने के लिए धन की मांग कर सकते हैं, और यदि राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है तो अतिरिक्त धन, रियायतें और कर छूट की मांग कर सकते हैं। राज्य सरकार के सूत्रों ने कहा कि नायडू ने लंबित सिंचाई परियोजनाओं, अमरावती राजधानी परियोजना, राज्य राजमार्गों और सड़कों सहित बुनियादी ढांचे की स्थिति और राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक सामान्य रिपोर्ट ली थी।

हाथरस जाएंगे राहुल गांधी, जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से करेंगे मुलाकात, भगदड़ में अब तक 123 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली:लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथरस का दौरा करेंगे। वे यहां भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इस बात की जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) हाथरस जाने की योजना बना रहे हैं। वह वहां जाएंगे और प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने हाथरस की घटना पर दुख जताया और सत्संग के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने संसद में हाथरस घटना पर संबोधित करते हुए कहा, "इस कठिन समय में हम यूपी और हाथरस के लोगों के साथ खड़े हैं। हम अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।" लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ से कई श्रद्धालुओं की मौत की खबर बेहद दुखद है। राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा था कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ से कई श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि सरकार और प्रशासन से अनुरोध है कि घायलों को हर संभव उपचार एवं पीड़ित परिवारों को राहत उपलब्ध कराएं। कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत और बचाव में अपना सहयोग प्रदान करें।

कर्नाटक में फिलहाल नहीं होने जा रहा कोई बदलाव, स्थिर सरकार के लिए सिद्धारमैया के हाथ में ही रहेगी कमान

एजेंसी

कर्नाटक: अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन होने वाला है। हालांकि, कांग्रेस के आंतरिक सूत्रों ने बताया है कि जब तक वर्तमान सरकार 18 महीने का शासन पूरा नहीं कर लेती, तब तक ऐसा कोई भी काम नहीं होगा। पार्टी आलाकमान ने तीन विधानसभा क्षेत्रों चन्नापटना, संदूर और शिगगांव में उपचुनाव पूरा होने तक कोई फैसला नहीं लेने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि सरकार का गठन लोगों को स्थिर शासन देने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि गारंटी दी जाए और विकास हो। बाकी सब मीडिया की रचना है। जब 2023 में कांग्रेस सत्ता में आई, तो मुख्यमंत्री पद के लिए सत्ता संघर्ष के बीच, दिल्ली में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार खेमों के बीच विधायकों की पैरवी और रैली के कई दौर हुए, ताकि यह दिखाया जा सके कि किस नेता को विधायकों का सबसे अधिक समर्थन प्राप्त है। ऐसा कहा जाता है कि सिद्धारमैया 60 फीसदी से अधिक विधायकों का समर्थन अपने पक्ष में करने में कामयाब रहे।

आडवाणी की हालत स्थिर, फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में : अस्पताल सूत्र

एजेंसी

नई दिल्ली:भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है और चिकित्सकों का एक दल उनकी निगरानी कर रहा है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।आडवाणी (96) को बुधवार को यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ दिन पहले उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया था।उन्हें एम्स में एक रात रखने के बाद छुट्टी दे दी गई थी।अपोलो अस्पताल के एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को बताया, गत रात अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद उनकी (आडवाणी की) हालत आज स्थिर है। वह फिलहाल तंत्रिका विज्ञान विभाग में चिकित्सकों के एक दल की निगरानी में हैं।

'हाथ जोड़ रहा, पैर भी पकड़ लूंगा, बस ये काम पूरा कर दो क्यों बोले नीतीश कुमार

एजेंसी

पटना:बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों से राज्य में भूमि सर्वेक्षण के चल रहे काम में तेजी लाने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे विधानसभा चुनाव से पहले पूरा किया जाना चाहिए। राज्य में अगले साल अक्टूबर-नवंबर में किसी समय विधानसभा चुनाव होने हैं।उन्होंने कहा कि मैंने कई बार कहा है कि ये काम (भूमि सर्वेक्षण) चुनाव (राज्य में विधानसभा चुनाव) से पहले हो जाना चाहिए। ये सभी काम जुलाई 2025 से पहले हो जाएं तो अच्छा रहेगा। नीतीश ने अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा कि मैं आपको को हाथ जोड़कर प्रणाम करता हूं। क्या मैं आपके पैर छू लूं? मैं हर किसी से यही कहता हूं, जितनी जल्दी हो सके ऐसा करो। मुख्यमंत्री विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त अधिकारी और अन्य संबंधित पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। राज्य सरकार ने कथित तौर पर वर्ष 2013 में राज्य भर में विशेष हवाई सर्वेक्षण और भूमि का बंदोबस्त शुरू किया था।कुमार के मुताबिक, राज्य में अपराध की 60 फीसदी से ज्यादा घटनाएं मुख्य रूप से भूमि संबंधी विवादों के कारण होती हैं। उन्होंने कहा कि विशेष सर्वेक्षण एवं निपटान करने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य राज्य में भूमि विवाद के मामलों को कम करना है।

'सदन में कोई भी आसानी से नहीं बच सकता', राहुल गांधी को लेकर बोले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू,

एजेंसी

नई दिल्ली:संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सदन को गुमराह करने की कोशिश करने वाला कोई भी सदस्य आसानी से बच नहीं पाएगा और 'नियम उन्हें पकड़ लेंगे।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण में कथित अशुद्धियों को लेकर पार्टी द्वारा उनके खिलाफ नोटिस सौंपे जाने के एक दिन बाद केंद्रीय मंत्री ने यह टिप्पणी की। यह नोटिस लोकसभा में भाजपा सदस्य बांसुरी स्वराज द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसमें अध्यक्ष से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर गांधी के भाषण में कुछ अशुद्धियों के खिलाफ उनके नोटिस पर संज्ञान लेने का आग्रह किया गया था।रिजिजू ने कहा कि जब लोकसभा में विपक्ष के नेता तथ्यों और आंकड़ों सहित कई चीजों पर झूठ बोलते रहे, तो अध्यक्ष को एक नोटिस दिया गया और हमने अध्यक्ष से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। हम कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं क्योंकि सदन में कोई भी सदस्य आसन से ऊपर नहीं होता है। मंत्री ने कहा कि अगर कोई सदन में पद का दुरुपयोग कर सदन को गुमराह करना चाहेगा तो वह आसानी से बच नहीं पाएगा। नियम उन्हें मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोमवार को निचले सदन में गांधी के भाषण के बाद, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

तेजी से बदल रहा है युद्ध का स्वरूप, जनरल अनिल चौहान बोले- बदलाव स्वीकार करने के लिए रहना होगा तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली:चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और देश की सशस्त्र सेनाओं को इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान लड़ी गई तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई के 25 साल पूरे होने के मौके पर सेना के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और 18 ग्रेनेडियर्स से आए सैनिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। टाइगर हिल टॉप पर 4 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने कब्जा कर लिया था। 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन ने कारगिल संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत को चिह्नित करने के लिए हर साल 26 जुलाई को 'विजय दिवस' मनाया जाता है। जनरल चौहान ने सभा को बताया कि देश के लोगों को हमारी क्षमताओं पर भरोसा है और उसी के कारण हमारी यह अपार प्रतिष्ठा है। जो विरासत आपको दी गई है वह हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित की गई है। हमने भले ही प्रत्यक्ष योगदान नहीं दिया हो लेकिन हम इसका फल प्राप्त कर रहे हैं।

बंगाल सेक्शुअल हैरेसमेंट केस, गवर्नर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला कर्मचारी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल राजभवन की एक महिला स्टाफ सदस्य ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को दी गई छूट को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने अदालत से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया है कि क्या यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के कृत्यों को राज्यपाल के आधिकारिक कर्तव्यों का हिस्सा माना जा सकता है, जिससे उन्हें अनुच्छेद 361 के तहत छूट मिल सकती है। इसमें पीड़ितों द्वारा सामना किए जाने वाले संभावित अन्याय को उजागर करने की मांग की गई है, यह सवाल करते हुए कि क्या उन्हें इंतजार करना चाहिए राज्यपाल को न्याय मांगने से पहले पद छोड़ना होगा।याचिका में कहा गया कि इस अदालत को यह तय करना है कि क्या याचिकाकर्ता जैसे पीड़ित को उपचार के बिना प्रदान किया जा सकता है, एकमात्र विकल्प यह है कि आरोपी के पद छोड़ने का इंतजार किया जाए, जिससे मुकदमे के दौरान देरी समझ से बाहर हो जाएगी और पूरी प्रक्रिया महज दिखावटी साबित होगी। वहां पीड़ित को कोई न्याय नहीं मिला। याचिका में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा गहन जांच करने और अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपालों की छूट के संबंध में दिशानिर्देश स्थापित करने की मांग की गई है।इसमें तर्क दिया गया कि राज्यपाल के खिलाफ दीवानी मुकदमा दो महीने के नोटिस के बाद शुरू किया जा सकता है, लेकिन आपराधिक कार्यवाही के लिए ऐसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है, जिससे पीड़ितों को सहारा नहीं मिल सके। अनुच्छेद 361 का उद्देश्य ऐसी स्थितियों में पुलिस की शक्ति को खराब करना नहीं हो सकता है।

'अंतरिक्ष जाने से पहले गैर-जैविक प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए', मोदी पर जयराम रमेश का तंज

संवाददाता

नई दिल्ली:एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए जिसमें भारतीय अंतरिक्ष और अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को पीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इससे पहले वह अंतरिक्ष में जाते हैं, "गैर-जैविक" प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए। 'एक्स' पर रमेश ने 4 जुलाई को लिखा, "अंतरिक्ष में जाने से पहले, गैर-जैविक प्रधान मंत्री को मणिपुर जाना चाहिए।मीडिया रिपोर्ट में इसरो चीफ एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि पीएम मोदी भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं, जिसे 2025 में लॉन्च किया जाना है। एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि हालांकि उनके (पीएम मोदी) पास निश्चित रूप से कई अन्य, अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम विकसित करना एक ऐसी क्षमता है जिसे हम विकसित करना चाहते हैं और गगनयान अंतरिक्ष कार्यक्रम, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण कार्यक्रम में योगदान करना चाहते हैं। गगनयान परियोजना एक और प्रमुख भारतीय मिशन है जिसमें तीन सदस्यों के एक दल को 3 दिवसीय मिशन के लिए 400 किमी की कक्षा में लॉन्च करके और भारतीय जल में उतरकर उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करने की परिकल्पना की गई है। इस बीच, केंद्र सरकार को उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा को लेकर भारतीय गुट के विपक्षी सांसदों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट में इसरो चीफ एस सोमनाथ के हवाले से कहा गया है कि पीएम मोदी भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं, जिसे 2025 में लॉन्च किया जाना है।

पगड़ी उतारने के बाद भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी पहली बार पहुँचे प्रदेश कार्यालय, महिला मोर्चा द्वारा किया गया

एजेंसी

- अयोध्या से लौटने के बाद उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नए लुक में पहुंचे प्रदेश कार्यालय, हुआ भव्य स्वागत, उतारी गई आरती
- भाजपा बिहार के विकास के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है : सम्राट चौधरी

पटना, 4 जुलाई। बिहार के उप मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी कल अयोध्या में अपने संकल्प वाला मुरैठा खोल दिया है। मुरैठा उतारने के बाद आज पहली बार प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर महिला मोर्चा द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा द्वारा अभिनंदन समारोह का भी आयोजन किया गया मुरैठा खोलने और केश मुंडन के बाद पहली बार प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यालय के प्रवेश द्वार पर ही उन पर फूल बरसाये गए और उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उनकी आरती उतारी गयी। इसके बाद प्रदेश कार्यालय में आयोजित अभिनन्दन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी का अभिनन्दन किया गया। इस दौरान प्रदेश महिला मोर्चा के सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी प्रशंसा की। अध्यक्ष श्री चौधरी ने सबका आभार जताया। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरणों में अपना मुरैठा समर्पित किया हूं। भाजपा बिहार के विकास के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार और अच्छे से चलेगी। अगले डेढ़ साल तक बिहार के विकास की जो गाथा है, उसको अंजाम तक पहुंचाने का काम नीतीश कुमार के नेतृत्व में होगा। देश विकसित हो रहा है, देश में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत श्रेष्ठ होगा। इसमें बिहार अपना योगदान देगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विशेष तौर पर धन्यवाद आप लोगों ने सहयोग किया और आशीर्वाद दिया। बिहार की उन्नति के लिए बिहार में डबल इंजन की सरकार को चलाना और भारत को श्रेष्ठ बनाने में बिहार को अपनी अहम भूमिका स्थापित करनी है। आशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों का सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज 75 फीसदी सीटों पर हमलोगों की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है भारत के साथ बिहार को भी आगे बढ़ाने को लेकर काम हो रहा है। बिहार की जनता के अधूरे सपने को पूरा करना है पत्रकारों से चर्चा के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि पुल गिरने के मामले पर नीतीश कुमार खुद समीक्षा कर रहे हैं। इसे लेकर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। कई विभागों में मेंटिनेंस पॉलिसी के तहत काम करने का निर्देश दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। श्री चौधरी ने विपक्ष के एक बयान पर कहा कि मैं चुनाव से पहले ही 28 जनवरी को यह बात कह दी थी पगड़ी को रामलला के चरणों में समर्पित करूंगा। उन्होंने कहा कि जो हारी हुई पार्टी होती है, वे लोग इस तरह की बात करते हैं इस मौके प्रदेश महिला मोर्चा की प्रभारी सजल झा, उपाध्यक्ष शीला कुशवाहा, महामंत्री मीना झा, शोभा सिंह, भारती पासवान, सीमा पांडेय, शशि, चिंता ओझा, महानगर अध्यक्ष सोनी मिश्रा, पूनम भट्ट, ममता सिंह, धर्मशीला शर्मा, ज्योति, साधना राव, रीता शर्मा, हेमलता जी, वीणा जी, श्वेता जी, माला सिन्हा, रीता सिंह, इंदु देवी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रही।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने संभावित बाढ़ आपदा की तैयारियो को लेकर वर्चुअल माध्यम से की बैठक

संवाददाता

अबू बकर

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने संभावित बाढ़ आपदा की तैयारियो को लेकर वर्चुअल माध्यम से बैठक कर वर्षापात की स्थिति,नदियों का जलस्तर, बाढ़ से संबंधित योजनाओं,तटबंधों की निगरानी, सड़को की मरम्मती, ,आपदा सम्पूर्ति पोर्टल ,भेंट की सफाई आदि का किया समीक्षा।
- वर्षापात, तटबंधों एवम नदियों के जल स्तर पर सतत निगरानी का दिया निर्देश।
- अनुपस्थित कई अधिकारियों से पूछा स्पष्टीकरण सभी अंचल अधिकारी आवश्यकता का आकलन करते हुए और भी निजी नावों के लिए एकरारनामा कर ले।-डीएम।
- संपूर्ति पोर्टल पर विवरणी अद्यतन करने को लेकर दिया निदेश

मधुबनी : जिलाधिकारी, अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कल बुधवार देर शाम में समाहरणालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से वर्चुअल माध्यम से बाढ़ पूर्व की गई तैयारियो एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर उससे त्वरित रूप से निपटने को लेकर जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवम जिला स्तरीय सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर कई निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में उससे निपटने को लेकर तैयारियो को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखे। उन्होंने आपदा संपूर्ति पोर्टल पर सभी प्रकार के डाटा को अविलम्ब अपडेट करने का निर्देश दिया ताकि आपदा की स्थिति उत्पन्न होने पर ससमय राहत पहुंचाई जा सके जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी आवश्यकता का आकलन करते हुए और भी निजी नावों के लिए एकरारनामा कर ले।

पटना जंक्शन पर पहुंचने से पहले ही टूटा कपलिंग, बड़ा हादसा टला गया,

संवाददाता

बिहार : पटना से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां पटना जंक्शन से ठीक पहले एक बड़ा रेल हादसा होते-होते बच गया है। बताया जा रहा कि हटिया पूर्णिया एक्सप्रेस ट्रेन हादसे का शिकार होने से बाल बाल बच गई है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को हटिया पूर्णिया एक्सप्रेस के आउटर पर पहुंचते ही ट्रेन से एक जोरदार आवाज हुई और ट्रेन अचानक रुक गई। वहीं, जब लोगों ने नीचे उतरकर देखा तो पता लगा कि ट्रेन की दो बोगियों के बीच की कापलिंग टूट गई है। बताया जा रहा कि ट्रेन झटका देते हुए अचानक रुक गई। इसके बाद यात्रियों में डर का माहौल हो गया. अचानक यात्री ट्रैक पर उतरकर खड़े हो गए, इस बीच थोड़ी देर के लिए अफरा तफरी की भी स्थिति बनी रही, बाद में जब यात्रियों को पता चला कि बोगी के बीच की कापलिंग टूट गई है। पटना जंक्शन के आउटर पर पूर्णिया हटिया एक्सप्रेस पर अचानक जोरदार आवाज हुई और ट्रेन रुक गई, जिसके बाद यात्रियों में काफी अफरा तफरी का माहौल हो गया, यात्री जल्दी-जल्दी में रेलवे ट्रैक पर उतर गए

भारतीय युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक कुशवाहा के नेतृत्व में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध में मधुबनी थाना चौक पर पुतला दहन किया गया

संवाददाता

अबू बकर

भारतीय युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक कुशवाहा के नेतृत्व में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध में मधुबनी थाना चौक पर पुतला दहन किया गया जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में हिन्दुओं को हिंसक बनाने वाले कथित बयान पर आक्रोश व्यक्त करते हुए युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक कुशवाहा ने कहा कि संसद में हिंदू समाज को हिंसक और झूठा बता कर देश के 140 करोड़ जनता का अपमान किया है वहीं जिला अध्यक्ष शंकर झा ने कहा कि हिन्दू बहुसंख्यक है इसीलिए सभी सुरक्षित है क्युकी सनातन धर्म सहनशील होता है वही प्रदेश प्रशिक्षण सह प्रभारी दीपक कल्याण एवं युवा मोर्चा उपाध्यक्ष ध्रुव शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी को अपने अनर्गल बयान के लिए पूरे हिन्दू समाज से माफी मांगनी चाहिए ये दुर्भाग्यपूर्ण है ,कांग्रेस हमेशा से हिन्दू को नीचे दिखाने का काम करती है। वही उपाध्यक्ष पिन्टू यादव एवं मनोहर झा ने कहा कि राहुल गांधी मानसिक रूप से विक्षिप्त हो गए है वहीं युवा मोर्चा नेता सुमित झा एवं सुमित मिश्रा ने कहा कि उन्होंने पूरे हिन्दू समाज को अपमानित किया है उनके द्वारा इस तरह के अमर्यादित शब्दों का संसद में प्रयोग करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है हम इसकी कड़ी निंदा करते है इस मौके पर भाजपा महामंत्री प्रमोद सिंह ,जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना,युवा मोर्चा नेता चंदन चौधरी, राजेश यादव, दीपु मंडल , सुमन झा , आशुतोष झा , प्रत्युष कुमार, मनीष कुमार कर्ण, रवि कुमार सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे

लालू यादव के जंगलराज शासन की तरह नहीं, बिहार में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है एनडीए सरकार ने - अरविन्द सिंह

संवाददाता

पटना, 4 जुलाई : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि राजद को एनडीए सरकार पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। 2005 के पहले श्री लालू यादव के शासन काल में बिहार में चारों तरफ सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे हुआ करते थे एक जिला से दूसरे जिला जाने में लोगों को सड़कों के अभाव में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था सात,आठ घंटे में घर पहुंचते थे और काफी समय लग जाता था। राजद के द्वारा बिहार को रसातल के गर्त में पहुंचा दिया गया था।
हालत यह थी कि पता ही नहीं चलता था की गड्ढे में सड़क है, या फिर सड़क में गड्ढे। लेकिन 2005 के बाद एनडीए सरकार ने बिहार में मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और स्व सुशील कुमार मोदी जी के नेतृत्व में चारों तरफ सड़कों का जाल बिछाने का काम किया हैं। आज बिहार में सड़कों के कनेक्टिविटी के कारण कुछ ही घंटे में लोग एक जिला से दूसरे जिला आ जा रहे हैं। लगातार मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के द्वारा बिहार में आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करा कर बिहार को नई ऊर्जा प्रदान करने का काम किया गया है और वह निरंतर जारी है।श्री अरविन्द ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार अपने विकास के पथ पर अग्रसर चलते हुए बरसात के बाद चार आम सड़क पुल परियोजनाओं पर काम करेगी जिसमें पटना से आरा होते हुए सासाराम तक 120 किलोमीटर तक 3600 करोड़ की लागत से फोरलेन सड़क बनेगी और छपरा में 303 करोड़ की लागत से 16 किलोमीटर का बाईपास का अतिरिक्त तीन लेने चौड़ीकरण होगा और साथ ही सीतामढ़ी में बागमती नदी पर 268 करोड़ की लागत से 5 किलोमीटर लंबा पुल का निर्माण होगा और बेगूसराय में गंगा नदी पर 36 किलोमीटर लंबा पुल सड़क का निर्माण 3550 करोड़ लागत से होगा।
श्री अरविंद में कहा हैं कि वहीं बिहार की जनता से अपार स्नेह के कारण मा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी बिहार की उन्नति के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इसलिए उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा अररिया के बहादुरगंज में 1143.46 करोड़ के लागत से 49.95 किलोमीटर लंबी 4 लेन सड़क का निर्माण होगा, बख्तियारपुर के रजौली में 2156.22 करोड़ के लागत से 50.89 किलोमीटर लंबी फोर लेन सड़क का निर्माण होगा और आरा के मोहनिया में 984.63 करोड़ के लागत से 60.8 किलोमीटर सड़क का निर्माण होगा।
जहां लालू यादव के शासनकाल में राजद के द्वारा बिहार का बंटाधार कर के बिहार को गड्ढों के जाल में झोंक दिया गया था वहीं एनडीए सरकार ने अपने दृढ़ इच्छाशक्ति से पूरे बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कराकर बिहार में कायापलट करने का काम किया हैं और लगातार कर रही है। दूसरी ओर एनडीए सरकार बिहार को देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है

सिवान जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बलेथा बाजार में पुत्र और पोता ने मिलकर अपने भाई और मां कि हत्या की

संवाददाता

मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज 4 जुलाई बृहस्पतिवार। बेटा और पोता ने मिलकर जमीनी विवाद मे अपने भाई और मां को मार कर हत्या कर दिया है वहीं पिता गंभीर रूप से घायल हैं। जिनको सदर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया बेहतर इलाज हेतु के लिए पटना रेफर कर दिया गया।
जो घायल है उनका नाम शिवनाथ साह है और जिनका देहांत हुआ है उनका नाम सूरज साह, सुशीला देवी है।

अगर हमें शहद जैसा मीठा परिणाम चाहिए तो हमें मधुमक्खियों की तरह एकजुट होना होगा, चाहे वह दोस्ती हो, परिवार हो, टीम हो या हमारा देश हो

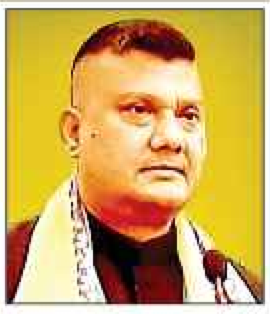

रियाज आलम के कलम से

- मधुमक्खियों की जटिल दुनिया मानवता के लिए एक गहरा सबक है। ये छोटे, मेहनती जीव, अपने दृढ़ संघ के माध्यम से, मीठा शहद पैदा करते हैं जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। सामंजस्यपूर्ण ढंग से मिलकर काम करने का यह सिद्धांत केवल मधुमक्खियों के दायरे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू तक फैला हुआ है - चाहे वह दोस्ती हो, परिवार हो, टीम हो या राष्ट्रीय स्तर पर हो। गठबंधन अपनाने से मधुमक्खियों की तरह ही असाधारण परिणाम मिल सकते हैं।
- एकता का सार

मधुमक्खियाँ एक समान लक्ष्य की दिशा में सामूहिक रूप से काम करके एकता की शक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। प्रत्येक मधुमक्खी की एक विशिष्ट भूमिका होती है, और सहयोग के माध्यम से, वे किसी भी मधुमक्खी की तुलना में कहीं अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकती हैं। इसी तरह, एकता हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रयासों में सफलता की नींव है। जब हम एक साथ आते हैं, तो हम अपनी ताकतें जोड़ते हैं, एक-दूसरे की कमजोरियों को पूरा करते हैं, और ऐसे लक्ष्य हासिल करते हैं जो अन्यथा अप्राप्य होते।

- दोस्ती : मजबूत बंधन बनाना

मित्रता के दायरे में एकता ही विश्वास और आपसी सहयोग का आधार है। जो दोस्त जीवन के उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं, वे ऐसा बंधन बनाते हैं जो किसी भी तूफान का सामना कर सकता है। संयुक्त मित्र सकारात्मकता और विकास के चक्र को बढ़ावा देते हुए एक-दूसरे को प्रोत्साहित और प्रेरित करते हैं। जैसे मधुमक्खियाँ अपना छत्ता बनाने के लिए मिलकर काम करती हैं, वैसे ही मित्र जो अपने प्रयासों में एकजुट होते हैं, सुंदर और स्थायी रिश्ते बना सकते हैं।

- परिवार : शक्ति का स्तंभ

एक परिवार जो एकजुट रहता है वह ताकत और समर्थन का गढ़ है। परिवार का प्रत्येक सदस्य सद्भाव और समझ सुनिश्चित करके घर की समग्र भलाई में योगदान देता है। परिवार के भीतर एकता एक पोषणकारी वातावरण बनाती है जहाँ हर कोई पनप सकता है। जिस प्रकार मधुमक्खियाँ अपनी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अपने छत्ते की ओर रुख करती हैं, उसी प्रकार एक संयुक्त परिवार व्यक्तिगत और सामूहिक विकास की नींव प्रदान करता है।

- टीमें : सामूहिक सफलता प्राप्त करना

किसी भी टीम में, चाहे वह खेल हो, व्यवसाय हो या अन्य समूह प्रयास, सफलता के पीछे एकता ही प्रेरक शक्ति है। टीम के सदस्य जो सहयोग करते हैं, प्रभावी ढंग से संवाद करते हैं और एक-दूसरे का समर्थन करते हैं, वे अपने लक्ष्यों तक अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पहुंच सकते हैं। एक संयुक्त टीम, मधुमक्खियों के एक सुव्यवस्थित छत्ते की तरह, अलगाव में काम करने वाले व्यक्तियों के समूह की तुलना में हमेशा अधिक मजबूत होती है। एकता के माध्यम से, टीमें उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर सकती हैं और लचीलेपन के साथ चुनौतियों पर काबू पा सकती हैं।

- देश : राष्ट्रीय एकता की शक्ति

बड़े पैमाने पर, किसी राष्ट्र की एकता से अभूतपूर्व विकास और समृद्धि हो सकती है। जब नागरिक एकजुट होते हैं, तो वे चुनौतियों का सामना करने, नवप्रवर्तन करने और सभी के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं। राष्ट्रीय एकता एक समान पहचान और उद्देश्य को बढ़ावा देती है, जिससे देश लचीला और मजबूत बनता है। जिस प्रकार मधुमक्खियों का झुंड अपने छत्ते की रक्षा और रखरखाव करता है, उसी प्रकार एक एकजुट राष्ट्र आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना कर सकता है।

- परिणाम

यदि हम शहद जैसे मीठे परिणाम चाहते हैं, तो हमें मधुमक्खियों की सीख स्वीकार करनी होगी : एकता सर्वोपरि है। चाहे हमारी दोस्ती हो, परिवार हो, टीम हो या देश, महानता हासिल करने के लिए एकता एक आवश्यक घटक है। एक साथ काम करके, एक-दूसरे का समर्थन करके और सामान्य लक्ष्यों के लिए प्रयास करके, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जो शहद से भरे छत्ते की तरह सामंजस्यपूर्ण और उत्पादक हो।

- आइए मधुमक्खियों से प्रेरणा लें और अपने जीवन के हर पहलू में एकता के लिए प्रतिबद्ध हों। साथ मिलकर, हम चमत्कार कर सकते हैं और सभी के लिए एक उज्जवल, अधिक समृद्ध भविष्य बना सकते हैं।
- यह लेख मधुमक्खियों की सहयोगात्मक प्रकृति के अनुरूप एकता के महत्व को दर्शाता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि एक साथ, हम असाधारण चीजें हासिल करने में मजबूत और अधिक सक्षम हैं, चाहे व्यक्तिगत संबंधों में, पेशेवर सेटिंग्स में, या राष्ट्रीय स्तर पर।

मोतिहारी अंचल के लखौरा में 10 अगस्त को मनाया जाएगा लुक बाबा महोत्सव

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी पूर्वी चंपारण 4 जुलाई लुक बाबा महोत्सव की तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में स्थानीय सांसद प्रतिनिधि सह उपमहापौर लालबाबू प्रसाद,स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार के प्रतिनिधि ओम प्रकाश सिंह,अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी सदर, जिला परिवहन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी समान्य प्रशाखा, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, कोषागार पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी,अधीक्षक मध्य निषेध, अंचल अधिकारी सदर, मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्रिंसिपल, बिटी शर्मा, संजय पांडे ,अभय अनंत एवं जिला कला संस्कृति पदाधिकारी एवं गोपाल जी मिश्रा उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित सदस्य गण की मांग पर आगामी 18 अगस्त को मोतिहारी आंचल स्थित लखौरा में लुक बाबा महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया। यह महोत्सव एक दिनी होगा जिसके भव्य आयोजन को लेकर जिलाधिकारी के द्वारा जिला कला संस्कृति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यगण की मांग पर महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया। डीएम ने कहा कि इस अवसर पर स्कूली बच्चे भी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ समन्वय बनाकर बच्चों को चयन करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव में आए आम जन को सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जीविका सहित अन्य विभागों के प्रदर्शनी स्टाल लगाए जाएंगे। इस महोत्सव का प्रचार प्रसार करने के लिए जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। जिला कला संस्कृति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि स्थानीय कलाकारों के चयन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर के साथ बैठक कर कलाकारों की सूची तैयार कर लेंगे।

उपस्थित सदस्यों के द्वारा बताया गया कि महोत्सव शुरू होने के पहले स्थानीय भक्त जनों के द्वारा लोक बाबा की पूजा अर्चना बड़ी धूमधाम से गाजा- बाजा, मृदंग-नगाड़ा के साथ की जाती है जिसमें काफी भीड़ होती है इस पर जिलाधिकारी के द्वारा विधि व्यवस्था को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी को आवश्यक तैयारी कर लेने का निर्देश दिया गया।

बिहार के सभी 8 केंद्रीय मंत्रियों का बीजेपी करेगी वेलकम

संवाददाता

पटनाःबिहार के सभी केंद्रीय मंत्रियों के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी ने अभिनंदन समारोह का आयोजन किया है। जो 5 जुलाई को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में सुबह 11 बजे होगा। जिसमें केंद्रीय मंत्री बने बिहार एनडीए के सांसदों का अभिनंदन किया जाएगा। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार की वापसी हुई है। और इस बीच सभी 8 मंत्रियों के पटना पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा उनका स्वागत होगा। आपको बता दें बीजेपी के 5 जेडीयू के 2, लोजपा से चिराग पासवान और हम से जीतन मांझी मंत्री बने हैं।

नीति आयोग द्वारा चलाए जा रहे अभियान को जन जन तक पहुंचाए. डीएम

संवाददाता
सद्रे आलम नोमानी

सीतामढ़ीःनीति आयोग द्वारा चलाए जा रहे आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम में संपूर्णता अभियान उत्सव का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सीतामढ़ी रिची पांडे, उप विकास आयुक्त मनन राम के साथ नीति आयोग के जॉइंट डायरेक्टर हरेंद्र कुमार द्वारा कार्यक्रम आगाज दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला योजना पदाधिकारीह्न सह ह्ननोडल पदाधिकारी (आकांक्षी जिला) ने कार्यक्रम में नीति आयोग के संपूर्णता अभियान में 4 विभागों के छः ईंडिकेटर के विषय में विस्तार से बताया गया। पीरामल फाउंडेशन के जिला लीड प्रभाकर कुमार द्वारा सभी विभागों के कार्य योजना तथा माह वार लक्ष्य पर

प्रकाश डालते हुए कोलाबोरेशन एवं कन्वर्जेन्स के साथ सभी ईंडिकेटर को संपूर्ण करने को लेकर विस्तृत रणनीति साझा किया गया। मौके पर स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, जीविका आदि विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी तथा पीरामल फाउंडेशन की टीम उपस्थित थे। इस अवसर पर जिले के सिविल सर्जन ,डीपीओ आईसीडीएस ,कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया प्रखंड को नीति आयोग के तहत चयन किया गया है। सभी ईंडिकेटर पूर्ण करने को लेकर बैरगनिया ब्लॉक का जिले में चयन किया गया है जिसे 3 महीने के अंदर ईंडीकेटर में वर्णित कार्यों को पूर्ण कर लिया जायेगा। संपूर्णता अभियान उत्सव के दौरान हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा संचालित स्टॉल का जिलाधिकारी सीतामढ़ी द्वारा मुआयना किया गया साथ ही हस्ताक्षर अभियान और सेल्फी प्वाइंट के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी विभाग मिलकर संपूर्णता अभियान के लक्ष्य को पुरा करेंगे। नीति आयोग के कार्यक्रम को पिरामल संस्था द्वारा तकनीकी सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा आज मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत सारण तटबंध के 73 - 76 किलोमीटर के आक्राम्य स्थलों का निरीक्षण किया गया।

संवाददाता

सारण,छपरा 4 जुलाई, 2024इस अवसर पर उन्होंने कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण को बाढ़ अवधि में सभी आक्राम्य स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में बाढ़ निरोधी सभी सामग्री रखने तथा सभी स्थलों पर प्रतिनियुक्त श्रमिकों तथा संबंधित एजेंसियों की सूची अनुमंडल पदाधिकारी एवम अंचलाधिकारी को उपलब्ध कराने का निदेश दिया। 73.585 से 75 किलोमीटर के बीच नदी के समीप हो रहे कटाव के संबंध में अविलंब तात्कालिक कारवाई करने तथा संदर्भित स्थल के मजबूतीकरण हेतु योजना तैयार कर विभाग में प्रस्ताव भेजने का निदेश दिया गया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा एवम-अंचलाधिकारी, पानापुर तथा थानाध्यक्ष, पानापुर को अपने क्षेत्रांतर्गत पड़ने वाले सम्पूर्ण बांध का अगले तीन महीने तक लगातार निरीक्षण करते हुए बांध की अद्यतन स्थिति तथा अवांछित तत्वों पर विशेष निगरानी रखने का निदेश दिया गया।

आईआरएस छिड़काव कार्य का हो रहा गहन निरीक्षण

- जिले के 1 लाख 83 हजार घरों में होना है छिड़काव
- बालू मक्खी के काटने से होता है कालाजार का रोग
- इसके मरीजों को मिलती है 7100 रुपए की क्षतिपूर्ति

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी, 04 जुलाई जिले के 23 प्रखंडों में कालाजार उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे आईआरएस छिड़काव कार्य की निगरानी जिला स्तर पर की जा रही है। जिले के भीडीसीओ गौतम कुमार ने बताया कि 1 लाख 83 हजार घरों में छिड़काव होना है। उन्होंने बताया कि सदर प्रखंड के बसमनपुर वार्ड नंबर 13, 14, 15 में टीम द्वारा कालाजार छिड़काव कार्य किया जा रहा है। जिले के डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के घोड़ासहन, रामगढ़वा अरेराज, पताही प्रखंड को छोडकर बाकी सभी प्रखंड के चयनित स्थान पर छिड़काव किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष में दो बार कालाजार के नियंत्रणार्थ सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड छिड़काव कार्यकम संचालित होता

है। - कालाजार होने पर मरीजो को श्रम क्षतिपूर्ति के तहत कुल 7100 रुपए प्राप्त होते है डीभीबीडीसीओ डॉ शर्मा ने बताया कि कालाजार बालू मक्खी के काटने से होता है। बालू मक्खी अधिकतर महादलित बस्तियों, गौशालाओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में मिलने की संभावना ज्यादा रहती है। यदि किसी व्यक्ति को दो हफ्ते से ज्यादा से बुखार, तिल्ली और जिगर बढ़ना, भूख न लगना, कमजोरी तथा वजन में कमी हो तो यह कालाजार का लक्षण हो सकता है। उन्होंने बताया कि कालाजार होने पर मरीजों को श्रम क्षतिपूर्ति के तहत कुल 7100 रुपए खाते में दिए जाते हैं। इसमें केंद्र सरकार से 500 रुपए तथा राज्य सरकार से 6600 रुपए की राशि दी जाती है।

बिहार में एक और पुल नदी में समाया, छपरा में भर भराकर गिरा एक पुराना पुल

संवाददाता
कफील एकबाल

छपरा : बिहार में पुलों के धराशायी होने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटना छपरा की है जहां बुधवार को देखते- देखते एक पुल भरभराकर गिर पड़ा। बताया जाता है कि पुल पुराना था और बारिश के दौरान नदी में समा गया। पुल गिरने की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक ये पुल घटना सारण जिले के लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार में बना था। ये पुल बाबा ढूंढ नाथ मंदिर जाने का मुख्य रास्ता था। स्थानीय लोगों के मुताबिक जनता बाजार में दो समानांतर पुल बने हुए हैं। दोनों पुल काफी पुराने हैं। इनमें से ही एक पुल बुधवार को बारिश के दौरान भरभरा कर गिर पड़ा।"बताया जाता है कि तेज बारिश के कारण नदी में पानी बढ़ गया था और नदी का पानी पुल के पिलर के पास हुए गड्ढे में तेजी से भर रहा था। जिसके बाद लोगों को ये अंदेशा हो गया था कि पुल कभी भी गिर सकता है। पुल गिरने के समय काफी लोग मौके पर जमा भी हो गए थे और कई लोगों ने पुल गिरने की घटना का वीडियो भी बनाया, जो पुल नदी में समाया, उस पुल से ही बड़ी संख्या में लोग बाबा ढूंढ नाथ मंदिर में दर्शन के लिए आवाजाही करते थे, हालांकि गनीमत रही कि उस समय पुल पर आवाजाही बंद थी। पुल गिरने की घटना की खबर मिलते ही स्थानीय जनता बाजार थाना की पुलिस, प्रखंड विकास पदाधिकारी लहलादपुर और अन्य वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। अधिकारियों के निर्देश पर पुल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की जा रही है। आखिर पुल गिरने की असली वजह क्या रही इस पर कोई भी अधिकारी बोलने से बच रहा है।

सिवान के महाराजगंज में एक और गंडक नहर का पूल ध्वस्त

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल 4 जुलाई बृहस्पतिवार। महाराजगंज प्रखण्ड अंतर्गत तेवथा गांव के छोटी गंडक नहर पर बने पूल ध्वस्त हो गया। हालां को पूल काफी पुराना और जर्जर स्थिति मे था। इसके जीणोंधार के लिए ग्रामीणों न कई बार जनप्रतिनिधियों से मिल कर गुहार किए लेकिन सांत्वना के सीवा कुछ हासिल नहीं हुआ। इस पूल के टूट जाने से दर्जनों गांवों का सम्पर्क मुख्य सड़क से महाराजगंज से टूट गया है। वही स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है की नहर के सफाई करने के दौरान जेसीबी से टूट जाने के कारण यह पूल टूटा है। वही इसकी जांच करने पहुंचे महाराजगंज अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनिल कुमार ने बताया की सिंचाई को बेहतर बनाने के लिए नहर सफाई की गई है।जिसे यह पुल ध्वस्त नही हुआ है। पानी का तेज बहाव के कारण पूल टूटा है। पूल काफी जर्जर और पुराना था जिसके कारण पूल टूटा है

ब्रीफ न्यूज

ई, शिक्षाकोष पोर्टल पर शिक्षको को उपस्थिति दर्ज करने मे अनेको समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल 4 जुलाई बृहस्पतिवार। शिक्षा विभाग बिहार में शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल मोड मे संचालन के लिए कृतसंकल्प है। लेकिन डिजिटल मोड किस व्यवस्था से चलेगा इसमें फेल्योर है। यू कहे तो विभाग शिक्षको के उपस्थिति दर्ज करने के लिए मोबाईल पर ई, शिक्षाकोष पोर्टल तो विकसित कर दिया लेकिन यह व्यवस्था कामयाब होता नही दिख रहा है। अभी बिहार और सिवान जिले के अंदर अनेको ऐसे विद्यालय है, जहा मोबाईल नेटवर्क विकसित नहीं है। फिर बगैर नेटवर्क के हाजरी बनना सम्भव नही है। जहा पर नेटवर्क भी उपलब्ध है वहा अगर शिक्षक विद्यालय मे है भी तो ई,शिक्षाकोष नमक पोर्टल विधालय से बाहर होना शिक्षक को बता रहा है।और अगर बहार है तो विधालय मे बता रहा है। ऐसे मे शिक्षाको के बीच संसाय बरकरार है। जब की शिक्षा विभाग का सख्त आदेश है की पोर्टल से उपस्थिति नही दर्ज करने पर शिक्षक की वेतन मे कटौती की जाएगी। इस व्यवस्था से शिक्षक अपने भविष्य के लिए काफी चिन्तित नजर आ रहे है।

महाराजगंज के पूर्व विधायक अनसुइया जयसवाल का निधन।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 4 जुलाई बृहस्पतिवार। महाराजगंज विधान सभा क्षेत्र के दो बार रही विधायक अनसुइया जयसवाल का निधन हो गया वे 96 बर्ष के उम्र मे गुड़गांव हरियाणा में अंतिम सास ली। उनके निधन का खबर सुनते ही उनके प्रिय लोगो मे शोक की लहर दौड़ गई। अंसुईया जयसवाल महाराजगंज विधान सभा क्षेत्र के प्रथम महिला विधायक रही थी। वे पिछले कई महीनों से गुड़गाव हरियाणा मे रहती थी। उनके दो पुत्र है। जो संजय जयसवाल उनको देखभाल करते थे। एक पुत्र सतीश कुमार जायसवाल का निधन पहले ही हो चुका है।

आम लेकर बेटी के घर जा रहे साइकिल सवार बुजुर्ग को वहान की ठोकर से हुई मौत

संवाददाता
अबू बकर

मधुबनी जिला के बासोपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत हत्यापुर परसा नहर के पास अपनी बेटी के घर आम लेकर जा रहे बुजुर्ग की ठोकर लगने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार बुजुर्ग साइकिल से सड़क पार कर रहा था, इसी बिच पीछे से आ रहे चार पहिया वाहन ने एक बाइक सवार को ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार अपना संतुलन खो दिया औल साइकिल सवार बुजुर्ग से जा टकराया। जिस के बाद बुजुर्ग सड़क पर जा गिरा और उनके सर से खून का फवारा छूट पड़ा। घटना के बाद देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना बासोपट्टी थाना को दी। सूचना पाते ही बासोपट्टी थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार, कंचन कुमार सिंह, गौरव कुमार, अलीशा सिंह, पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घायल को पुलिस वाहन में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बासोपट्टी लाया। जहां इलाज के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना बासोपट्टी थाना पुलिस द्वारा मृतक के परिजन को दी गई । सूचना पाकर मृतक के परिजन बिना देर किए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बासोपट्टी पहुंचे और रोने धोने लगे। मृतक की पहचान बासोपट्टी थाना क्षेत्र के कटैया पंचायत अंतर्गत सिहारी गांव के स्वर्गीय विजय मुखिया का 65 वर्षीय पुत्र रामलोचन मुखिया के रूप में की गई है। अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजन ने बताया कि मृतक आम लेकर अपनी पुत्री के पास अरेर थाना क्षेत्र के नगवास गांव जा रहा था। तभी कलुआही के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ग्लोस्टर कार ने आगे चल रहे बाइक सवार को ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार संतुलन खोकर सड़क पार कर रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग के साइकिल में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस संबंध में थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया है कि अस्पताल लाने के दौरान घायल की मौत रास्ते मे हो गई है। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया गया है। साथ ही घटना के दौरान कुछ बातें निकलकर सामने आ रही है उन बिंदु पर भी जांच किया जा रहा है। आगे जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

2005 से ही यूज कर रहे; उपेंद्र को बधाई देकर नीतीश पर बरसे अभय कुशवाहा, तेजस्वी पर बड़ा दावा

संवाददाता

लोकसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) में आए और औरंगाबाद से जीते सांसद अभय कुशवाहा ने बिहार में कोइरी वोट पर राजनीतिक घमासान के बीच सीएम नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में राजद संसदीय दल के नेता अभय सिन्हा उर्फ अभय कुशवाहा ने कोइरी या कुशवाहा समाज का नाम लिए बिना कहा कि नीतीश ने 2005 से समाज को इस्तेमाल किया है लेकिन अब समाज पूरी तरह से सजग हो चुका है और समझ चुका है। अभय ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तरफ से राज्यसभा भेजने के ऐलान पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को बधाई दी है। अभय कुशवाहा ने उपेंद्र कुशवाहा को बधाई देते हुए हालांकि नीतीश पर हमला बोला और कहा कि अब वो किसी तरह का प्रलोभन दें लेकिन कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पूरा समाज एकजुट होकर आने वाले समय में एक नए बिहार का निर्माण करेगा। अभय कुशवाहा 2000 में राजनीति में आए और तब से इस साल मार्च तक जेडीयू में थे। जेडीयू में वो गया के जिलाध्यक्ष से पार्टी के प्रदेश युवा अध्यक्ष रह चुके हैं। अभय टिकारी से एक बार जेडीयू के विधायक भी रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वो आरजेडी के सुरेंद्र यादव से बेलागंज सीट पर हार गए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले अभय कुशवाहा सीधे टिकट लेकर राजद में आए और औरंगाबाद से दिल्ली पहुंच गए। अभय को लड़ाने के लिए आरजेडी को यह सीट कांग्रेस से लेनी पड़ी जिससे वहां के पूर्व सांसद निखिल कुमार नाराज हो गए। बेलागंज सीट पर अभय को हराने वाले राजद नेता सुरेंद्र प्रसाद यादव भी जहानाबाद से जीते हैं। राजद के जीते चार सांसदों में सुरेंद्र यादव इकलौते हैं जो दूसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। राजद के बाकी तीन सांसदों की लोकसभा में पहली पारी है। मीसा भारती दो बार राज्यसभा जा चुकी है।

समस्तीपुर में 5 साल पहले की थी दूसरी शादी 2 लाख के लिए पति ने छोड़ा

समस्तीपुर। में एक महिला की पिटाई का मामला सामने आया है। महिला चार बच्चों की मां है और तलाकशुदा भी। पीड़िता की पिटाई कुछ महिलाओं ने की है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिलाओं की भीड़ पीड़िता के बाल खींच कर और जमीन पर लेटा कर लात-घूंसे से मार रही है। बताया जा रहा है कि इन महिलाओं को शकीला के दूसरे पति रफीक ने भेजा था। पीड़ित महिला की पहचान शकीला खातून के रूप में हुई है। यह वीडियो समस्तीपुर के सिंघिया थाना क्षेत्र के लिलौल गांव का है। 5 साल पहले पीड़ित महिला को अपने से कम उम्र के लड़के से प्यार हुआ था। इसके बाद उसने 2019 में शादी की। लेकिन, अब ससुराल वाले उससे दहेज में 2 लाख रुपए मांग रहे हैं। इसकी पूर्ति नहीं करने पर पति ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। इसके बाद जून महीने में रफीक ने दूसरी शादी कर ली है। वहीं, बुधवार को महिला अपने मायके से मार्केट जा रही थी। इसी दौरान ससुराल साइड से आई महिलाओं ने खूब पीटा। दरअसल, शकीला की पहले पति नासिर शक्ष से 2018 में तलाक हुई थी। इसके 1 साल बाद शकीला को मायके वाले गांव के रफीक नदाफ से प्यार हो गया। उसने दूसरे पति से अपने 4 बच्चों की जिम्मेदारी दिलवाते हुए बॉन्ड साइन करवाए और फिर शादी की। 4 साल तक दोनों के बीच सब कुछ ठीक रहा। लेकिन, 17 मई को अचानक रफीक नदाफ ने शकीला के साथ मारपीट की। वहीं, ससुराल वाले 2 लाख रुपए भी मांगने लगे। इस पर महिला ने कहा कि मैं गरीब घर से आती हूं। मेरे माता-पिता गरीब हैं। मैं कहां से पैसा लाऊंगी। इसके बाद शकीला को पति और ससुराल वालों ने घर से बाहर निकाल दिया। महिला 17 मई के बाद से अपने मायके में आकर रहने लगी। इसी दौरान बुधवार 3 जून को महिला अपने घर से मार्केट कुछ समान लेने जा रही थी। इसी दौरान कुछ महिलाएं देख ली और जमकर उसकी पिटाई कर दी। वहीं, मारपीट होता देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद कुछ लोगों की ओर से मारपीट का वीडियो बनाया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। कुछ समय बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को साइड किया। इस बीच मौके का फायदा उठाकर आरोपी महिलाएं भाग गई। वहीं, पुलिस ने पीड़ित महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। घटना को लेकर आवेदन दिया गया है। मामला प्रेम-प्रसंग में विवाद का है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पटना डीएम ने बांध और संप हाउस का किया निरीक्षण

पटना। समेत पूरे बिहार में इस बार मानसून में अधिक बारिश होने की संभावना है। इसी सिलसिले में आज पटना डीएम डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह ने तैयारियों का जायजा लिया। अलग-अलग संप हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दीघा बांध, एलसीटी घाट, राजापुल, बांस घाट, कलेक्ट्रेट घाट पर कर्मियों को अलर्ट रहने का भी निर्देश दिया। डीएम चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि बाढ़ के पूर्व की तैयारी को लेकर निरीक्षण किया जा रहा है। दीघा बांध से लेकर कलेक्ट्रेट घाट से आगे तक जो पटना शहर का सुरक्षा वॉल बना है। उसके बीच जो ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन हैं, उसका निरीक्षण कर रहे हैं। अभी तक तैयारी ठीक है और समय से है। शहर में जल जमाव की समस्या उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए समय पर ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन चलाने के लिए सबको अलर्ट किया जा रहा है। सभी लोगों को वाटर लेवल को कम से कम रखने का दिशा निर्देश दिया गया है। डीएम ने बताया कि स्विस गेट का भी निरीक्षण किया गया है। सबकी ग्रीसिंग वगैरह हो गई है। जरूरत पड़ने पर गंगा के वाटर लेवल बढ़ने पर गेट को बंद कराया जाता है। उसकी भी जांच कराई गई है, पूरी तरह से फंक्शनल है। कुल मिलाकर अलर्टनेश की जांच की गई है। जो ठीक है।

बगहा में लगातार बारिश से जल जमाव

बगहा। के कई क्षेत्रों में पिछले 12 घंटे से हो रही लगातार बारिश ने जल जमाव की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इससे जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नगर के बड़ी पट्टी से नेशनल हाईवे तक आने के लिए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेशनल हाईवे तक पहुंचने के लिए लोगों को कमर तक पानी पार करना पड़ रहा है। इसके साथ ही वार्ड नंबर एक में जल जमाव से लोग बेहद परेशान हैं। सभी लोग अपने घरों में फंसे हुए हैं, और सड़कों समेत उनके दरवाजे तक पानी भर गया है। इसके कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, वार्ड नंबर 14, 13, 33, 21 में जल जमाव से लोग परेशान हैं। नेपाल के तराई क्षेत्र में भी सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिसके कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंडक बैराज से फिलहाल 125,000 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण बगहा की स्थिति पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई है। कई इलाकों में जल जमाव की समस्या गंभीर हो गई है, जिससे लोग भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से अभी तक राहत के कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। इधर, लगातार हो रही बारिश के कारण पेड़ों के अंदर पानी घुसा है। जिससे जंगल के कई पेड़ गिर गए हैं। एक पेड़ तो मुख्य सड़क पर गिर गया। हालांकि, रात में यातायात बंद था, जिससे बड़ी घटना होने से बच गई लेकिन सुबह 8:00 तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ हटाने के बाद यातायात बहाल किया जा चुका है।

पांच सौ मीटर का चचरी पुल ध्वस्त अब नाव ही सहारा

मुजफ्फरपुर। नेपाल के तराई क्षेत्र में भारी बारिश से बागमती नदी के जलस्तर में इजाफा हो गया है। मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड के अतरार और मधुबन प्रताप गांव का चचरी पुल ध्वस्त हो गया है। बागमती नदी पर बने 500 मीटर लंबे चचरी पुल से रोज एक हजार लोग आवाजाही करते थे। पुल टूटने के बाद अब नाव से आवाजाही करनी पड़ रही है। अगर सड़क मार्ग से प्रखंड मुख्यालय जाना पड़े तो 35 किमी की दूरी तय करनी पड़ेगी। पुल टूटने से अतरार, अमनौर, महेश्वबारा, सहिलाबल्ली, डीह, परमजीवर, सहरचिया का प्रखंड मुख्यालय से सम्पर्क टूट गया है। दूसरी तरफ कटरा प्रखंड में पीपा पुल के दोनों तरफ बागमती का पानी चढ़ गया है। चार चक्का वाहनों का आवागमन ठप हो चुका है। अगर पुल पूरी तरह से टूटा तो 16 पंचायतों के 16 लाख लोगों का प्रखंड मुख्यालय संपर्क भंग हो जाएगा। 40 किलोमीटर घूमकर कटरा के 16 पंचायत के लोगों को मुख्यालय जाना होगा। कटरा के बभनगामा गांव के सरपंच मो. बबलू और शिक्षक शाहिद ने बताया कि जलस्तर काफी तेजी से बढ़ रहा है। शाम तक गांव के निचले हिस्से पानी में डूब गए थे। सड़क पर पानी बहने से स्कूल का रास्ता बाधित हो चुका है। वहीं, अंचलाधिकारी गौतम कुमार सिंह ने बताया कि बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है। सभी घाटों पर नजर रखी जा रही है। बभनगामा पश्चिमी में उपधारा पर बनी सड़क पर पानी की तेज धारा बह रही है। वहां तत्काल नाव की व्यवस्था कर दी गई है। राजस्व कर्मचारी देवेंद्र कुमार को वहां तैनात कर दिया गया है। वहीं, सभी विस्थापित गांव में चौकीदारों की तैनाती कर नाव पर क्षमता से अधिक लोगों को नहीं बैठाने की सलाह दी गई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोगों को ऊंचे स्थान पर रहने की सलाह दी गई है।

भागलपुर में बैंक से लौट रही थी घर स्थानीय जनप्रतिनिधि ने मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया

भागलपुर। में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। घटना कहलगांव थाना क्षेत्र के नगमा पंचायत के जठियावाना गांव का है। मरने वाले की पहचान इंद्रदेव मुसहर की पत्नी मंगली देवी(34) का रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बैंक से वापस घर लौटने वक्त अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर, स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर, सूचना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई। अधिकारी अभी तक मौके पर नहीं पहुंचे हैं। न ही परिवार वाले को आर्थिक मुआवजा मिला है। न ही कोई सुविधा है। इधर, घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतिका के पति इंद्रदेव ने बताया कि बुधवार को वह बैंक गए हुए थे। वापस घर लौटने के दौरान बारिश होने लगी। बारिश में ही घर वापस लौट रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने ही हमलोगों को घटना की जानकारी दी। घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय जनप्रतिनिधि घटना के बाद पीड़ित के घर पहुंच कर सरकार से मिलने वाले मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

फेसबुक पर हथियार के साथ युवक ने डाली फोटो गिरफ्तार

कैमूर। के भभुआ थाना क्षेत्र के सिकठी गांव निवासी मधुबन सिंह के बेटे अमन पटेल ने हथियार के साथ फेसबुक पर फोटो वायरल कर दिया। जैसे ही इसकी जानकारी कैमूर एसपी ललित मोहन शर्मा को हुई उन्होंने तत्काल भभुआ थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार को आरोपी युवक को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर एक देसी कट्टा, एक दो नाली देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया गया। फिलहाल बंदूक पहुंचाने वाले आरोपी के खिलाफ छापेमारी की जा रही है। जानकारी देते हुए साइबर डीएसपी अनिकेत कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि फेसबुक अकाउंट पर अमन पटेल नामक व्यक्ति ने दोनों हाथ में हथियार लेकर फोटो डाला है। इसके बाद थाना अध्यक्ष भभुआ मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने युवक की पहचान अमन पटेल पिता मधुबन सिंह के रूप में की। छापेमारी में अमन पटेल ने बताया कि गांव के शिवम पटेल ने कट्टा उपलब्ध कराया था। इसके बाद अमन पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया। शिवम पटेल के लिए छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान मुख्यमंत्री बोले- चुनाव के पहले सब काम होना चाहिए कोई बहाना नहीं चलेगा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सचिवालय के संवाद कक्ष में 9 हजार 8 सौ 88 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव से कहा कि इनको मैं बहुत मानता हूं। जब वह राजस्व और भूमि सुधार विभाग में तैनात थे। इनको मैं भूमि सर्वेक्षण का काम तेजी से करने के लिए कहा करता था। जल्दी से आप काम कर लें। ब्रजेश मेहरोत्रा विभाग में रहते थे। इनको कहते थे कि तेजी से करवाइए। अब तक हो जाना चाहिए था ना जी, लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। सीएम नीतीश ने कहा है कि काम करने वालों कर्मियों की कमी थी। अब कमी दूर हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव से मजाकिया अंदाज में कहा कि हम आपसे हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं। पैर छूते हैं। हम सब को कहते हैं कि समाज का विवाद खत्म कीजिए। आप काम जल्द कीजिए। सीएम के इस अंदाज से पूरा हॉल ठहाके से गूंज गया। सीएम, नीतीश कुमार ने कहा कि मुझे बताया गया है कि पांच चरण में काम होगा। पांचवा चरण अगस्त 2025 तक तय किया गया है। उन्होंने कहा कि लेकिन, इतना देर क्यों कर रहे हैं। अगले साल चुनाव होने वाला है। चुनाव के पहले सब काम होना चाहिए। तेजी से कम कीजिए। बहाली तेजी से कीजिए। आपसे आग्रह करेंगे एरियल सर्वे हो चुका है। विलंब नहीं होना चाहिए। कोई बहाना नहीं चलेगा। जुलाई 2025 तक काम हो जाए। आपसे आग्रह है कि जल्दी करवा दें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 9 हजार 8 सौ 88 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा है। आज सचिवालय के संवाद कक्ष में कार्यक्रम के दौरान कुल 75 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। बाकी अभ्यर्थियों को सभी जिलों में प्रभारी मंत्रियों द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम ने कहा कि हर जगह जमीन का झगड़ा होता, 60 प्रतिशत हत्याएं भूमि विवाद से जुड़कर होती है। हम लोग इसे खत्म करेंगे। व्यवस्था में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 20 और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जो नियुक्ति पत्र वितरित किया है, यह बहुत अच्छा है। हमलोगों ने बहुत पहले इसे सोचा था। मुझे खुशी है कि आज 9,888 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। अभी विस्तार से राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल ने सर्वेक्षण संबंधित कार्य एवं उसको पूर्ण करने के संबंध में सब कुछ बताया है। सभी जगह जमीन का झगड़ा होता है, किसका है ये तय नहीं है। जमीन को लेकर झगड़ा के चलते विवाद और हत्याएं होती हैं। 60 प्रतिशत मामला इससे जुड़ा होता है। हम लोगों ने साल 2005 से काम करना शुरू किया तो इन सब चीजों पर भी कार्य शुरू किया। हम लोगों ने सोचा है कि जमीन से संबंधित विवाद खत्म हो, एक-एक चीज तय हो जानी चाहिए। यह तय हो जाना चाहिए कि जमीन किसकी है। इसके लिए बिहार में भूमि सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया। साल 2013 में एरियल फोटोग्राफी का काम शुरू किया गया। हमारी इच्छा है कि जमीन विवाद समाप्त हो और समाज में शांति का माहौल रहे। आप सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों से उम्मीद है कि मन लगाकर सर्वेक्षण कार्य को तेजी से पूर्ण करेंगे। अपर मुख्य सचिव और मंत्री जायसवाल से मैं कहूंगा कि जुलाई 2025 तक कार्य को पूर्ण करें। भूमि सर्वेक्षण संबंधी कार्य जितना जल्दी पूर्ण हो जायेगा तो भूमि विवाद समाप्त हो जायेगा और आपस में सभी प्रेम और भाईचारे के साथ सभी रहेंगे। कहा कि आज के इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी एवं जिलों के प्रभारी मंत्री भी जुड़े हुए हैं, सभी कार्यों की निगरानी करते रहें। नवनियुक्त कर्मियों को मैं अपनी शुभकामनाएं देता हूं। उम्मीद करता हूं कि अपने कार्यों का निष्पादन बेहतर ढंग से करते हुए तेजी से पूर्ण करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एक अभ्यर्थी गिर गया था। एक युवक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने आते ही गिर गया। अभ्यर्थी को नियोजन पत्र लेने को बुलाया गया था। सीएम नीतीश कुमार उन्हें नियोजन पत्र देने वाले थे कि वह शख्स गिर गया। हालांकि, इसके बाद वह अभ्यर्थी खड़ा हुआ और नियुक्ति पत्र लिया। इसमें 353 विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, 758 विशेष सर्वेक्षण कानूनगो, 742 विशेष सर्वेक्षण लिपिक एवं 8,035 विशेष सर्वेक्षण अमीन शामिल हैं। कार्यक्रम को राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने हरित पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी ने एवं नवनियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के प्रभारी मंत्री एवं जिलाधिकारी उपस्थित थे।जस्व एवं भूमि सुधार विभाग के नवनियुक्त 9 हजार 888 पदाधिकारियों और कर्मियों को नियुक्ति पत्र बांटने के लिए मुख्य समारोह पटना स्थित सचिवालय के संवाद कक्ष में आयोजित किया गया।

आम तोड़ने के विवाद में कुदाल से दो को काटा

मधुबनी। के झंझारपुर में आम तोड़ने के विवाद में युवक ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर चचेरे भाई और चाची को कुदाल से काट कर मौत के घाट उतार दिया। मौत की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। देखते ही देखते घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना भैरव स्थान थाना क्षेत्र के काको पंचायत अंतर्गत झौआ गांव की है। इस खूनी संघर्ष में मुन्नर यादव का 20 साल का बेटा विजय यादव की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जबकि मुन्नर यादव की पत्नी सोनी (45) की मौत इलाज के लिए अस्पताल लेकर जाने के दौरान हुई। मौत की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची भैरवस्थान थाने की पुलिस ने आरोपी सुंदर यादव के बेटे सरोज यादव को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके माता-पिता फिलहाल फरार चल रहे है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि आम को लेकर विवाद हुआ था। दरअसल बंटवारे के बाद जमीन आरोपी सरोज यादव के हिस्से में आया है। जबकि पेड़ मृतक विजय यादव के हिस्से में आया है। उसने चार-पांच दिन पहले आम तोड़ा था। इस बात को लेकर विवाद भी हुआ था। साथ मिलकर घटना को अंजाम दे दिया। घटना के बाद झंझारपुर डीएसपी पवन कुमार भी घटना स्थल पर पहुंचे।

पुलिस नहीं कर रही मदद घर छोड़ पूर्णिया पहुंची फैमिली पप्पू यादव से लगाई गुहार

सीतामढ़ी। में दो भाइयों की हत्या के बाद से परिजन दहशत में है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी उन्हें सुरक्षा मुहैया नहीं कराया जा रहा है। निराश होकर परिवार के सभी सदस्य मोतिहारी और सीतामढ़ी छोड़कर पूर्णिया में शरण लिए हुए है। 18 जून को परिवार सांसद पप्पू यादव से मिला था और दोनों बेटों की हत्या की कहानी बताई थी। इस पर सांसद ने उनको आगे की लड़ाई लड़ने और इंसाफ दिलाने का भरोसा दिया है। मंगलवार को एक बार फिर पीड़ित परिवार सांसद से गुहार लगाने पहुंचा था, लेकिन पप्पू यादव पूर्णिया में मौजूद नहीं है, इसलिए मुलाकात नहीं हो सकी। मोतिहारी से सीतामढ़ी बुलाकर दो सगे भाइयों की हत्या कर दी गई थी। दोनों का शव 3 अप्रैल को 5-5 किमी की दूरी पर नानपुर और बोखरा थाने क्षेत्र में सड़क किनारे फेंका मिला था। मृतकों की पहचान आशीष कुमार (22) और आकाश कुमार (24) के रूप में की गई थी। घटना के तीन महीने बाद मृतक के परिवार को अपनी जान का खतरा सता रहा है। दोनों बेटों के मर्डर से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। दहशत का आलम ऐसा है कि पीड़ित परिवार मोतिहारी छोड़कर पूर्णिया में शरण लिए हुए हैं। मृतक के परिजनों ने मोतिहारी पुलिस से सुरक्षा की मांग की, लेकिन सुरक्षा नहीं मिलने के कारण परिवार खौफ के साए में दिन काटने को मजबूर हैं। परिजनों ने बताया कि मोतिहारी और सीतामढ़ी में उनकी जान को खतरा है। इसे देखते हुए SP और IG से मिलकर उन्होंने सुरक्षा मांगी, लेकिन उनकी बातों को नजर अंदाज किया जा रहा है। उनका बयान भी अब तक पुलिस ने दर्ज नहीं कराया। इस मामले को पुलिस गंभीरता से नहीं ले रही। यही वजह भी है कि उनका पूरा परिवार ठिकाना बदलकर रहने को मजबूर है। आज भी बेटे का नाम सुनकर मां रेखा देवी बिलख पड़ती है। उन्होंने दोनों बेटों की अस्थियों को संजोकर रखा है। उनका कहना है कि अगर उन्हें इंसाफ नहीं मिलेगा तो पूरा परिवार सुसाइड कर लेगा। खौफ और दहशत के बीच ठिकाना बदलकर आखिर वो कब तक जिंदा रहेंगे। वहीं, पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी चचेरे भाई संजीव, पत्नी रिंकी देवी, बेटी और किराएदार राजन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। किराएदार मुकेश और घटनाक्रम में शामिल अन्य बदमाश अभी भी फरार हैं। इस मामले में मृतक भाइयों के पिता विश्वनाथ प्रसाद, मां रेखा देवी, बेटी सिमरन कुमारी और बेटे विक्रम कुमार का कहना है कि कहीं से न्याय न मिलता देख वो पूर्णिया सांसद पप्पू यादव से मिले और उनसे न्याय की गुहार लगाई है। उन्हें यह जगह सुरक्षित लगी। इस वजह से वो 17 जून को पहली बार पूर्णिया आए थे। पप्पू यादव ने उनकी आगे की लड़ाई लड़ने और इंसाफ दिलाने का भरोसा दिया है। पिता विश्वनाथ प्रसाद बताते हैं कि सीतामढ़ी के मेला रोड भवदेपुर में तीन जगहों पर उनकी 4 कट्ठा जमीन है। इस जमीन की कीमत करीब 4 करोड़ रुपए है। इसी जमीन के विवाद को लेकर मेरे भतीजे संजीव ने हमारे खिलाफ दो केस भी दर्ज कराया था, जिसकी जांच चल रही है। 1 अप्रैल को विश्वनाथ के दोनों बेटे आशीष कुमार और आकाश कुमार विवाद को सुलझाने के लिए आए थे। विश्वनाथ का अपने ही भतीजे संजीव कुमार से इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। डेढ़ साल पहले जमीन खाली न करने पर उसने पूरे परिवार को खत्म कर देने की धमकी भी दी थी। इसके बाद से वो अपनी पत्नी, तीन बेटे और एक बेटी को लेकर घोड़ासहन में एक भाड़े के मकान में रह रहे थे। इसी बीच उन्हें पता चला कि उनके बंद घर का ताला तोड़कर उसे अवैध रूप से किराए पर दे दिया गया है। संजीव सिंह की पत्नी, बेटी, डॉ. अजय सिंह सहित कुछ अपराधी किस्म के लोग भी पहुंचे हुए हैं।

हाथरस, सिकंद्राराऊ क्षेत्र में यथा कथित भोले बाबा प्रांगण में भगदड़ के दौरान मारे गए श्रद्धालुओं की आत्म शांति हेतु यमुना जी पर दीपदान कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई

मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा हाथरस सिकंद्राराऊ क्षेत्र में यथा कथित भोले बाबा सत्संग प्रांगण में श्रद्धालुओं की 150 से अधिक (भगदड़ के दौरान)हुई मौत से व्यथित हिंदूवादी दिनेश शर्मा सहित पदाधिकारी ने यमुना किनारे श्रद्धांजलि देकर उनकी आत्मा शांति की कामना की इस अवसर पर हिंदूवादी दिनेश शर्मा ने कहा कि बहुत ही विकराल घटना है इस घटना से संपूर्ण भारतवर्ष दुखी है यमुना महारानी के आंचल में श्रद्धांजलि दी दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की है इसके लिए दोषियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए राष्ट्रीय सचिव डॉ जमुना शर्मा, जिला अध्यक्ष महिलागुंजन शर्मा,प्रदेश मीडिया प्रभारी रिचा शर्मा, ने कहा कि प्रशासन को चाहिए। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और यथा कथित धर्म गुरु पर हत्या का मुकदमा पंजीकृत हो, इस अवसर पर ठाकुर नरेश सिंह, हरिदास बाबा, राजेश शास्त्री, राजेश पाठक, अश्वनी शर्मा, प्रमुख रूप से भारती आचार्य, राधा शर्मा, पूनम गोस्वामी, ओमवती, अनन्या, प्रीति,।

प्रेमिका के पति का हाईवे पर मर्डर किया था, चलती बाइक पर कनपटी में निशाना लगाया

मथुरा। मथुरा के थाना छाता में 25 जून की रात को हाईवे पर प्रेमिका के पति की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की आरोपी से मुठभेड़ हुई जिसमें उसके दोनों पैरों में गोली लग गई और वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। 25 हजार रुपए का था इनाम मथुरा के थाना छाता क्षेत्र में 25 जून को नेशनल हाईवे पर 40 वर्षीय प्रेम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान की। जिसमें से पलवल निवासी नवीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। जबकि मुख्य आरोपी पिंटू उर्फ अमित सिंह फरार था। पुलिस ने पिंटू की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। शेरगढ़ रोड पर हुई मुठभेड़ मंगलवार की देर रात मथुरा पुलिस को सूचना मिली कि पिंटू छाता शेरगढ़ रोड पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने वाली कच्ची सड़क पर है। सूचना मिलते ही छाता पुलिस और स्वाट टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही पिंटू ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें दो गोली पिंटू के दोनों पैर में लग गई। घायल को कराया अस्पताल में भर्ती दोनों पैर में गोली लगने से पिंटू घायल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पिंटू को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पिंटू के पास से हत्या के लिए प्रयोग किया गया तमंचा,5 कारतूस और एक चोरी की मोटर साइकिल बरामद की। मृतक की पत्नी से थे प्रेम संबंध मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश पिंटू उर्फ अमित के मृतक प्रेम सिंह की पत्नी से प्रेम संबंध थे।

संक्षिप्त डायरी

हाथरस घटना में आयोजकों और प्रशासन की तय हो जिम्मेदारी

दोषियों पर तय समय में हो सख्त कार्यवाही : रामवीर सिंह तोमर

मथुरा। हाथरस की घटना बहुत ही दर्दनाक , दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय है जो कई प्रश्नों को जन्म देती है! धर्म की आड़ में ये सब क्या चल रहा है, कौन जांच करेगा? इंसान की जिंदगी की कीमत इतनी सस्ती हो गई है? कुछ दिनों तक शोक संवेदना व्यक्त की जाएगी फिर सब कुछ भुला दिया जाएगा! मुआवजे की राशि कम से कम 10 लाख रुपए दे राज्य सरकार। घायलों का इलाज दो चार दिन तो ठीक ठाक चलता है उसके बाद सब भूल जाते हैं इसलिए घायलों के इलाज की जिम्मेदारी तय हो। एक बात साफ है कि यह हादसा आयोजकों और प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। प्रशासन ने प्लानिंग से काम किया होता तो ऐसी दर्दनाक घटना नहीं होती। ऐसा लगता है कि हादसों का देश है और किसी को कोई चिंता नहीं, कोई एसओपी नहीं है। आयोजकों, और बाबा पर भी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और घटना की गहराई तक जाने के लिए प्रशासनिक चूक की पहचान के लिए सरकार को उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनानी चाहिए जो तय समय में अपनी रिपोर्ट दे ताकि पुनरावृत्ति को रोका जा सके। मथुरा में भी हर साल दर्जनों धार्मिक आयोजन होते हैं, वृंदावन , बरसाना, गोवर्धन, बलदेव में लाखों करोड़ों लोग देश भर से आते हैं, जिम्मेदारों को क्राउड मैनेजमेंट को गंभीरता से लेना चाहिए। सरकार को चाहिए कि आगे इस तरह की कोई घटना ना हो इसके लिए एसओपी बनाकर जिम्मेदारी तय करें।

ट्रेन में मजिस्ट्रेट चेकिंग में पकडे. गए करीब एक दर्जन यात्री

मथुरा। अनाधिकृत और बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बुधवार का दिन काफी महंगा साबित हुआ। आगरा से मथुरा और मथुरा से आगरा रूट पर ट्रेनों में मजिस्ट्रेट चेकिंग की गई। चेकिंग में करीब दर्जन भर यात्रियों से जुर्माना वसूला गया। चेकिंग के दौरान यात्रियों में खलबली मची रही।मजिस्ट्रेट ट्रैकिंग सुबह करीब 10:00 बजे शुरू हुई। रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट आरपीएफ जीआरपी और टीटीई टीम के साथ मथुरा जंक्शन से होशियार पुर आगरा कैंट एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुए। ट्रेन में चेकिंग के दौरान करीब 9 यात्री अनाधिकृत रूप से जनरल की टिकट लेकर स्लीपर कोच में यात्रा करते मिले। सभी से मौके पर जुर्माना वसूला गया। आगरा कैंट स्टेशन पर उतरने के बाद पूरी टीम ट्रेन संख्या 20807 हीराकुंड एक्सप्रेस में सवार हुई। ट्रेन के स्लीपर कोच में चेकिंग की गई। करीब आधा दर्जन से अधिक यात्री अनधिकृत तरीके से यात्रा करते पकड़े गए। सभी से निर्धारित जुर्माना वसूला गया। मजिस्ट्रेट चेकिंग से बचने के लिए कुछ यात्री ट्रेन के शौचालय में छिप गए। उन्हें सुरक्षा टीम ने बाहर निकाला। टिकट चेक करने के बाद जुर्माना वसूला गया।

भीड़- भाड़ से दूर रहने में ही भलाई है।

मथुरा। भीड़ भाड़ वाली जगहों से हमेशा दूर रहने में ही भलाई है।अभी तक लोग भीड़ भाड़ वाली जगह पर अपनी जेब पर्स और गले की चेन आदि का ही जोखिम उठा कर चलते थे और जरा सा ध्यान चुका तो चेन या पर्स गायब हो जाता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जीवन को सुरक्षित रखने की कशमकश चल रही है। पुराने लोगों के अनुभव थे कि जो भीड़ में गया वह भाड़ में गया इसीलिये भीड़ शब्द के साथ भाड़ शब्द को जोड़ा गया और इसी से बना था भेड़ शब्द अर्थात एक भेड़ जैसा करती है शेष भेड़ों का झुंड उसी काम को करने लग जाता है। बहुत समय पहले समाचार पत्र में एक समाचार छपा की गांव की किसी पुरानी क्रॉसिंग पर रेल से कटकर 102 भेड़ें मरी। तो आप समझ सकते हो भेड़ भीड़ और भाड़ सबका सम्बन्ध बनाकर ही यह शब्द बनाये गए होंगे।

प्रिंसिपल ने नियम विरुद्ध लिपिक को बना दिया था चपरासी

मथुरा। कॉलेज में कार्यरत लिपिक को उसके प्रिंसिपल ने चपरासी बना दिया। पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने लिपिक पद के आदेश दिए। प्रिंसिपल ने अपनी तोहीन जान उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए विशेष अपील दायर की। अपील को खारिज कर दिया। मामला शहर के चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज का है इस कॉलेज में वृंदावन से अपना ट्रांसफर करा कर आए प्रधानाचार्य राकेश महेश्वरी ने कॉलेज के लिपिक गिरधारी लाल को चपरासी जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्रा से मेलजोल कर डिमोशन करा दिया। पीड़ित कर्मचारी ने अपने डिमोशन के खिलाफ शासन प्रशासन हर जगह प्रत्यावेदन दिया जब किसी ने छोटे कर्मचारी की सुनवाई नहीं की तो उसने उच्च न्यायालय की शरण ली जहा उसे न्याय मिला और गिरधारी लाल को लिपिक पद पर बने रहने के आदेश दिए। अहंकारी प्रिंसिपल राकेश महेश्वरी ने इस आदेश को अपनी नाक कटने का सवाल बनाते हुए उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ विशेष अपील दायर की। उच्च न्यायालय ने राकेश महेश्वरी की विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए उसे खारिज कर दिया। राकेश महेश्वरी की तरफ से पैरवी अधिवक्ता वशिष्ठ तिवारी ने एवं गिरधारी लाल की पैरवी अधिवक्ता कमल किशोर केसरवानी ने की। श्री केसरवानी ने बताया कि प्रत्यावेदन को जिला विद्यालय निरीक्षक भास्कर मिश्रा द्वारा सुना जाता तो छोटे कर्मचारी को उच्च न्यायालय की शरण नहीं लेनी पड़ती। छोटे कर्मचारी पावरफुल लोगो द्वारा नियम विरुद्ध किए जाने वाले उत्पीड़न को सहन करते है यदि छोटे कर्मचारी सही है तो उन्हें डरने उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।

केएम चिकित्सकों ने किया फाईलॉयड ट्यूमर का ऑपरेशन, बचाई हेमवती की जान

मथुरा। केएम की सौगात-पांच हजार रुपए में सभी सर्जरी ऑपरेशन दवाओं सहित केएम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में छाती में दर्द से और गांठ से बेहाल हेमवती का सर्जरी विभाग के डा. संकल्प श्रीवास्तव और उनकी अनुभवी टीम ने आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क फाईलॉयड ट्यूमर का ऑपरेशन करके उनकी छाती से गांठ को निकाला है। जिससे वह अब स्वस्थ्य है। इस अवसर पर केएम हॉस्पिटल के सर्जरी विभाग के डा. संकल्प श्रीवास्तव ने बताया कि 40 वर्षीय महिला हेमवती निवासी हाथिया हॉस्पिटल के सर्जरी विभाग ओपीडी में छाती में दर्द और गांठ को दिखाने के लिए आई थी। मरीज को देखने के बाद उसकी छाती में 1310 सेमी की गांठ छाती में बनी दिखाई दी। यूएसजी की जांच से भी पता लगा कि ये गांठ फाईलॉयड ट्यूमर है। जिसके लिए डा. संकल्प श्रीवास्तव ने हेमवती को ऑपरेशन कराने की सलाह दी और साथ ही साथ ये भी बताया कि अगर ये गांठ नहीं निकलवाई तो गांठ कैंसर में परिवर्तित हो सकती है। मरीज के पास आयुष्मान कार्ड होने से बिल्कुल फ्री ऑपरेशन किया गया है। डा. संकल्प श्रीवास्तव ने अपनी सर्जरी विभाग की टीम के साथ उल्टे ब्रेस्ट में से 1310 ट्यूमर ऑपरेशन के जरिए निकाल दिया। निकाली गई गांठ को केएम चिकित्सकों ने हिस्टोपैथोलॉजी विभाग में जांच के लिए भेजा है। अब मरीज नया जीवन पाकर बहुत खुश है, मरीज हेमवती ने केएम विवि के कुलाधिपति और सर्जरी विभाग के चिकित्सकों की दिल से प्रशंसा की है।इस अवसर पर केएम विवि के कुलाधिपति एवं जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने डाक्टर्स टीम को इस ट्यूमर ऑपरेशन की सफलता पर बधाई दी है। उन्होंने बताया कि सर्जरी विभाग में सभी प्रकार के ऑपरेशन अब मात्र पांच हजार रुपए में मेरे ब्रजवासी दवाओं सहित करा सकते है। जिसके लिए सर्जीकल विभागाध्यक्ष डा. अजय अग्रवाल, डा. अजय जैन, संकल्प श्रीवास्तव, डा. सागर, डा. रोहताश एवं न्यूरोसर्जन डा. संदीप चौहान विश्व स्तरीय इलाज मरीजों को प्रदान कर रहे। सफलतापूर्वक ऑपरेशन करने वाली टीम में डा. संकल्प श्रीवास्तव के साथ डा. बच्चू श्रीवास्तव, डा. स्नेहल सिंह, डा. भूपिन्दर सिंह, डा. दुर्गेश, डा. पल्लवी के अलावा ओटी इंचार्ज और नर्सिंग ईचार्ज की टीम का विशेष सहयोग रहा।

मोहर्रम मे व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए.

मथुरा। मुहर्रम कमेटी एम ताजियेदारो के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता मे बैठक हुई। जिसमे ताजियेदार, मुहर्रम कमेटी अध्यक्ष अध्यक्ष युनूस गाजी, उपाध्यक्ष जहीर अब्बास जैदी, सचिव अबरार वारसी, नजफ रिजवी, उपाध्यक्ष भूरा शेख, शरीक एडवोकेट, शबनम कुरैशी आदि मौजूद रहे।बैठक मे जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार मोहर्रम के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था के संबंध में, बताया कि मोहर्रम का 8 जुलाई से चंद्र दर्शन के अनुसार मनाया जाएगा। इसको त्यौहार कहना गलत होगा ये गम के दिन है। डीजे न बजाने जाये खुद अयोजक ही बजने से रोके। ताजिया की ऊंचाई निर्धारित सीमा में ही होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की जुलूस मार्गों का स्वयं भ्रमण कर कमियों को दूर कराएं। उन्होंने कहा कि जुलूस मार्गों में ढीले तार, रास्ते में पड़ने वाले ट्रांसफार्मर, खराब सड़कों आदि का कार्य समय से पूर्ण कराया जाए। अध्यक्ष युनूस गाजी उपाध्यक्ष जहीर अब्बास जैदी ने कहा कि आगामी मोहर्रम माह के जुलूसों के कार्यक्रम की फाइल आपके समक्ष पेश कर दी गई जिसमें अलमों के जुलूसों के मार्गों में बिजली व डिश के तार झूल रहे हैं तथा बैनर आदि लगे हुए हैं जिससे अलम व ताजियों को निकलने में काफी परेशानी होती है और इन परम्परागत मार्गों में जगह-जगह सड़क टूटी-फूटी गड्ढे आदि है उनकी मरम्मत कार्य कराये जाने एवं जुलूसों के दौरान विद्युत सप्लाई पूर्व रूप में दी जाने के सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए, सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाये जाए। तहसील स्तर पर भी शांति समिति की बैठक संबंधित एसडीएम, पुलिस क्षेत्र अधिकारी तथा थानाध्यक्ष द्वारा कर ली जाए। विद्युत अधिकारियो को निर्देश दिए कि कहीं भी लटकते हुए तार न पाए जाएं। सड़क, सफाई, पानी व स्ट्रीट लाइट आदि व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश द्विवेदी ने कहा कि परंपरागत ढंग से मुहर्रम के जुलूस आयोजित किए जाएं, कोई नयी व्यवस्था न लागू की जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में सक्रिय रहकर शांतिपूर्ण मनाने में सहयोग करें। बैठक मे एडीएम वित्त, एसपी सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट, एसपी ट्रैफिक, सीओ सिटी, नगर निगम के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

संस्कृति विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में संस्कृति मिलन के द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का आयोजन किया गया। यह दिवस डॉक्टरों और स्वास्थ्य देखभाल करने वाले पेशेवरों के महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय सचिव व डायरेक्टर आफ एप्लाइड पालिटिकल सेंटर डा रजनीश त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस व्यक्तिगत जीवन और समुदायों में चिकित्सकों के योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाने वाला दिन है। इस दिन को मनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्मृति की घटना के आधार पर तारीख देश-दर-देश अलग-अलग होती है। कुछ देशों में इस दिन को छुट्टी के रूप में मनाया जाता है। हालाँकि इसे स्वास्थ्य सेवा उद्योग के रोगियों और लाभार्थियों द्वारा मनाया जाना चाहिए , लेकिन इसे आमतौर पर स्वास्थ्य सेवा संगठनों द्वारा मनाया जाता है। कर्मचारी डॉक्टरों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन कर सकते हैं, जिसके दौरान चिकित्सकों को सम्मान के प्रतीक दिए जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, चिकित्सकों और उनके जीवनसाथी को एक कार्ड या लाल कार्नेशन भेजा जा सकता है, साथ ही मृतक चिकित्सकों की कब्रों पर एक फूल रखा जाता है ।

डा. रजनीश ने कहा कि भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एक जुलाई को चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पहले मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद में मनाया जाता है। उनका जन्म एक जुलाई, 1882 को हुआ था और 1962 में इसी तारीख को उनकी मृत्यु हो गई थी। एक जुलाई को डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती भी मनाई जाती है। डा. राय एक प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भी रहे हैं तथा डॉ. रॉय को उनके चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है ।

संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ सचिन गुप्ता व सी ई ओ डा मीनाक्षी शर्मा ने डाक्टरों सहित सभी मेडिकल क्षेत्र में सराहनीय योगदान करने वाले लोगों को शुभकामनाएं प्रदान की। डीन छात्र कल्याण डा धर्मेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि भारत सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में डा. रॉय का अमूल्य योगदान को मान्यता देने के लिए एक जुलाई 1991 को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस घोषित किया । इस बार राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस 2024 की थीम हीलिंग हैंड्स, केयरिंग हार्ट्स है।

संस्कृति आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डा मोहनन ने सभागार में उपस्थित लोगों को आयुर्वेद सहित प्राकृतिक व योगाभ्यास से निरोग रहने के उपायों पर विचार व्यक्त किये। अंत में श्री रतीश शर्मा ने सभी को आभार व्यक्त किया।

आगरा में होगा स्वर्णकार समाज का सामूहिक विवाह समारोह

8 दिसंबर को होगा विवाह समारोह,तैयारियां शुरू

मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसो. के तत्वाधान में 8 दिसंबर को आगरा में स्वर्णकार समाज के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। विवाह समारोह में परिचय सम्मेलन में बने जोड़ों के व जो भी अपने जोड़े बना के रजिस्ट्रेशन कराएंगे उनकी शादियां कराई जाएंगी। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने बताया कि 8 दिसंबर को आगरा में श्री कृष्णा गार्डन सौ फूटा रोड कालिंदी बिहार पर होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। श्री वर्मा ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह वर्तमान समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज के जरूरत मंद परिवार भी अपने बेटे-बेटियों के विवाह धूमधाम से कर सकते हैं।श्री वर्मा ने बताया कि जिन बंधुओं के विवाह के लिए जोड़े बन जाएं वो शादी के लिए अपने रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय कार्यालय 6 / 265 सराफा बाजार, पथवारी, बेलनगंज आगरा पर करा सकते हैं।जल्द ही कार्यक्रम की सफलता हेतु पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी ।

हाथरस में भगदड़ 122 मौतें, योगी बोले- यह साजिश जैसा जांच के लिए SIT का गठन

मथुरा। यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 122 लोगों की मौत हुई है। चार जिलों हाथरस अलीगढ़ एटा और आगरा में रात भर सभा का पोस्टमार्टम हुआ। परिजन अपनों की लाश को लेकर इधर-उधर भटकते रहे। प्रशासन ने अब तक की 121 मौत की पुष्टि की है। बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे सीएम योगी भी हाथरस पहुंच गए। जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। घटना स्थल गए अफसरों से पूरे हादसे की जानकारी ली। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- यह हादसा साजिश जैसा है लोग मरते गए सेवादार वहां से भाग गए। उन्होंने ना तो प्रशासन को सूचना दी और ना ही मदद की। प्रशासन की टीम जब पहुंची तो सेवादारों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। हमने भी कुंभ जैसे बड़े आयोजन किया लेकिन ऐसी चीजें नहीं आई। सीएम ने कहा-जांच के लिए SIT का गठन किया। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज, पुलिस के सीनियर रिटायर ऑफिसर की टीम भी मामले की जांच करेगी। जो भी दोषी होगा उसकी सजा देंगे।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरूरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी में नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे है, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते है।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीया महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी ड्रिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती है। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

ईवी को समर्थन देने वाली नीति 8-10 साल तक रहे जारी: मर्सडिज-बेंज

जयपुर । मर्सडिज-बेंज इंडिया चाहती है कि सरकार अगले 8 से 10 साल के लिए इलैक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का समर्थन करने वाली नीतियों को जारी रखने को प्रतिबद्ध हो। कंपनी के एक शे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों की दिशा में स्थिर और बेहतर योजना बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। कंपनी को लगता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन को हाइब्रिड वाहनों के लिए देने से उत्सर्जन मुक्त वाहनों को अपनाने की समयसीमा बढ़ जाएगी। कंपनी का ईवी प्रसार 2024 की पहली तिमाही में 2.5 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया। मर्सडिज-बेंज ने कहा कि इस साल पेश होने वाले 3 नए ईवी मॉडल के साथ यह गति आगे भी जारी रहेगी, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह ईक्यूए से होगी। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए सरकार ने पहले ही पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया है, जबकि परंपरागत पेट्रोल-डीजल इंजन पर 48-50 प्रतिशत जीएसटी है।

जापान ने दो दशक में पहली बार नए बैंक नोट जारी किए

तोक्यो । जापान ने दो दशक में पहली बार बुधवार को नए बैंक नोट जारी कर दिए हैं। इनमें जालसाजी से निपटने के लिए 3-डी होलोग्राम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने 10,000 येन, 5,000 येन और 1,000 येन के नए नोट की अत्याधुनिक जालसाजी-रोधी विशेषताओं की प्रशंसा करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया। बैंक ऑफ जापान में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मुझे उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आएंगे और ये जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार नए नोट के साथ पहले से चलन में मुद्रा भी वैध रहेगी। बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा ने कहा कि हालांकि दुनिया नकदी रहित लेन-देन की ओर बढ़ रही है, लेकिन हमारा मानना है कि कहीं भी तथा कभी भी सुरक्षित भुगतान के लिए नकदी अब भी महत्वपूर्ण है।

व्रज आयरन का शेयर निर्गम मूल्य से 16 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । व्रज आयरन एंड स्टील का शेयर निर्गम मूल्य 207 रुपये से 16 प्रतिशत उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 15.94 प्रतिशत बढ़कर 240 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। एसई पर बाद में यह 21.71 प्रतिशत चढ़कर 251.95 रुपये पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 21.73 प्रतिशत उछाल के साथ 252 रुपये पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 831 करोड़ रुपये रहा। व्रज आयरन एंड स्टील के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को निर्गम के आखिरी दिन 119 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का 171 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों की पेशकश पर आधारित था। इसके लिए मूल्य दायरा 195-207 रुपये प्रति शेयर था। व्रज आयरन एंड स्टील आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग बिलासपुर सुविधा केंद्र में विस्तार परियोजनाओं और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट की 30 लाख से ज्यादा यूनिट बिकी

नई दिल्ली ।

हाल ही में मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने नया रिकॉर्ड बनाया है। मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने लॉन्चिंग के बाद से अब तक 30 लाख से ज्यादा यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यह हैचबैक पहली बार साल 2005 में लॉन्च की थी। इसके बाद साल 2013 में मारुति स्विफ्ट ने 10 लाख यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार किया था। वहीं साल 2018 में करीब 20 लाख यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार किया था। अब यह आंकड़ा 30 लाख यूनिट के पार हो गया है। हाल ही में मारुति सुजुकी स्विफ्ट 2024 लॉन्च की गई है। मारुति सुजुकी स्विफ्ट नंबर वन पर बरकरार है। पिछले महीने इस गाड़ी ने 19,393 यूनिट्स बिकी हैं। वहीं मई 2023 में इस कार की 17,346 यूनिट्स बिकी थी। इस प्रकार मारुति सुजुकी स्विफ्ट की सालान बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बता दें कि मारुति सुजुकी की गाड़ियों की भारतीय बाजार में काफी अच्छी सेल होती है। कंपनी नेक्सा और एरेना डीलरशिप के जरिए ऑल्टो के 10, सेलेरियो, बलेनो, वैगनआर, इग्निस, फ्रैंक्स और जिम्नी सहित कई कारों की बिक्री करती है।

जियो और एयरटेल का रिचार्ज हुआ महंगा

मुंबई । एयरटेल और जियो के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान बुधवार 3 जुलाई से महंगे हो गए हैं। टेलीकॉम कंपनियों ने अपने मोबाइल टैरिफ को 11 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वहीं वीआई के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान भी गुरुवार से महंगे हो जाएंगे। जियो का सबसे सस्ता मंथली रिचार्ज प्लान 155 रुपए की जगह अब 189 रुपए का हो गया है। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी इंटरनेट डेटा मिलेगा। जियो का 84 दिन वाला रिचार्ज अब 479 रुपए का हो गया है। इसमें 6 जीबी इंटरनेट डेटा और 1000 एसएमएस भेजने की सुविधा मिलेगी। वहीं जियो का सालाना रिचार्ज प्लान अब 1899 रुपए का हो गया है। इसमें 336 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉल, 24जीबी इंटरनेट डेटा और 3600 एसएमएस भेजने की सुविधा

देश पर कर्ज ज्यादा, लेकिन स्थिरता की समस्या नहीं: पूनम गुप्ता

नई दिल्ली । एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा कि भारत का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 82 प्रतिशत है, लेकिन उच्च वृद्धि दर तथा भारतीय मुद्रा में ऋण अधिक होने से देश को ऋण स्थिरता की समस्या नहीं झेलना पड़ रहा है। एनसीएईआर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा कि भारत का उच्च ऋण स्तर फिलहाल सतत है, क्योंकि वास्तविक या नाममात्र जीडीपी अधिक है और अधिकतर कर्ज रुपये में है। कुल ऋण में से एक तिहाई राज्यों के पास है। सामान्य स्थिति में अगले पांच वर्षों में उनके ऋण स्तर में और वृद्धि ही होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ऋण-जीडीपी अनुपात 50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। गुप्ता ने कहा कि सबसे अधिक कर्जदार राज्यों सहित अन्य राज्यों को भी स्थिरता की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है, क्योंकि उनके पास केंद्र की अंतर्निहित गारंटी होती है और राज्य विदेशी मुद्रा या फ्लोटिंग दर पर ऋण नहीं रख सकते हैं। राज्यों की राजकोषीय चुनौतियां विषय पर आयोजित चर्चा में हिस्सा लेते हुए तक्षशिला संस्थान के पार्षद एम. गोविंद राव ने राज्यों पर बढ़ते कर्ज का एक कारण चुनाव में फायदे के लिए सब्सिडी बढ़ाने को भी बताया। वित्त वर्ष 2022-23 तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा बिहार शीर्ष तीन सबसे अधिक ऋणी राज्य थे जबकि सबसे कम कर्ज ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्य पर था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

पहली बार 80,074 के रिकार्ड स्तर पर पहुंचने के बाद फिसला

सेंसेक्स 632 , निफ्टी 162 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 632.85 अंक करीब 0.79 फीसदी बढ़कर दिन में पहली बार 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया पर अंत में ये कुछ नीचे आकर 80,000 के स्तर के करीब 79,986.80 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.65 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी बढ़कर 24,286.50 के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। दिन के दौरान, यह 183.4 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 24,307.25 के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नीचे आये हैं।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो और हांगकांग के बाजार में उछाल आया जबकि चीन के शंघाई में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में बढ़त रही। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त के साथ बंद हुए। गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और उसने नई ऊंचाइयों पर खुलकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 80,000 का स्तर पार किया और 80,039 अंकों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। वहीं निफ्टी50 इंडेक्स 169 अंकों की तेजी के साथ 24,292 के नए उच्चतम स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में डॉव जोन्स में 0.41 फीसदी, एसएंडपी में 0.62 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की वृद्धि हुई।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून में तेजी से बढ़ी: सर्वेक्षण

- मई में यह पांच महीने के निचले स्तर पर थी

नई दिल्ली ।

नए ठेकों में मजबूत वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में तेजी से विस्तार के दौरान भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि में जून में तेजी से बढ़त देखी गई। मई में यह पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून में बढ़कर 60.5 हो गया जो मई 60.2 था। यह बढ़ोतरी उत्पादन में तेज विस्तार की ओर इशारा करती है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जून में तेज हुईं। सूचकांक 0.3 पीपीटी (प्रतिशत बिंदु) बढ़कर 60.5 हो गया। इसकी मुख्य वजह घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए ठेकों में वृद्धि रही। इसने सेवा कंपनियों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मजबूत मांग और नए कारोबार की बढ़ती आमद को वृद्धि के प्रमुख निर्धारकों के रूप में उद्धृत किया गया। जून में भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिलने वाले नए ठेके में वृद्धि जारी रही, जिससे विस्तार का मौजूदा क्रम करीब तीन वर्षों तक बढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय ठेकों में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई। विदेशों में एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अमेरिका से नए अवसर मिलने का भी हवाला दिया गया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जून में 60.9 रहा जो मई में 60.5 था। उन्होंने कहा कि जून में समग्र

पीएमआई में भी तेजी आई, जिसमें अधिक नए ठेकों का मिलना प्रमुख वजह रही। सेवा कंपनियों की तुलना में विनिर्माण कंपनियों ने विस्तार में अधिक योगदान दिया। सर्वेक्षण में कहा गया कि निजी क्षेत्र में रोजगार में तीव्र वृद्धि हुई है। यह वृद्धि दिसंबर 2005 के बाद से सबसे तेज में से एक है। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

पेट्रोल-डीजल यूपी-बिहार सहित कई राज्यों में हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी हैं। जिसके मुताबिक कई राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें घट गई हैं तो वहीं देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा भी हो गया है। इसके अलावा कई ऐसे राज्य हैं जहां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर बात करें तो बुधवार को बिहार और यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। बिहार में पेट्रोल 50 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 47 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.57 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 87.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 19 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 18 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में भी मजबूत रहेगी: नोमुरा

नई दिल्ली ।

मजबूत आर्थिक विकास दर और महंगाई कम रहने के कारण व्यापक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में मजबूत रहेंगी। यह बात ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की ओर से कही गई। नोमुरा ने कहा कि भारत में रिटेल महंगाई दर वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 4.8 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 के अंत में 5.7 प्रतिशत थी। ला नीना, चावल के पर्याप्त भंडार और दालों का उत्पादन बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में भी कमी देखने को मिल सकती है। नोमुरा के विशेषज्ञ ने आने वाले बजट को लेकर कहा है कि इसमें फोकस पूंजीगत व्यय और राजकोषीय समेकन पर हो सकता है। ब्रोकरेज का फोकस मैन्युफैक्चरिंग और खपत से जुड़ी निवेश थीम्स पर है। नोमुरा ने कहा कि बजट सरकार की दिशा को दिखाएगा। इसमें पहले के मुकाबले कोई ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। बता दें कि केंद्र में नई सरकार के बनने के बाद पूर्ण बजट इसी महीने पेश किया जाना है। मौजूदा समय में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की विकास दर 8.2 प्रतिशत थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। नोमुरा का कहना है कि भारत में सुधार राजनीति की कसौटी पर खरे उतरे हैं। हमारा मानना है कि सरकार सुधारों की गति जारी रखेगी। जमीन और श्रम से जुड़े कठिन सुधार को राज्यों पर छोड़ दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव काफी मजबूत है। देश की वृद्धि दर तेज बनी हुई है। महंगाई कम हो रही है और साथ ही चालू खाते की स्थिति भी उत्साह पैदा करने वाली है।

सीएमएफ बड्स प्रो 2 और सीएमएफ वॉच प्रो 2 जल्द होंगे लांच

-कंपनी लगातार टीज़र जारी कर दे रही कंपोनेंट की जानकारी

नई दिल्ली ।

नथिंग कंपनी सीएमएफ फोन 1 को आगामी 8 जुलाई को लॉन्च करने के लिए तैयार है। इसी तारीख पर कंपनी द्वारा सीएमएफ बड्स प्रो 2 और सीएमएफ वॉच प्रो 2 को भी पेश किया जाएगा। भारतीय समयानुसार लॉन्च इवेंट दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा और फोन फ्लिपकार्ट के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। नथिंग का सब-ब्रांड सीएमएफ अपने आने वाले फोन में इस्तेमाल किए जाने वाले कंपोनेन्ट के बारे में लगातार टीज़र जारी कर रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि फोन को बजट सेगमेंट में पेश किया जाएगा। फोन को लेकर जानकारी मिली है कि ये एक नए मीडियाटेक डाइमेंशन प्रोसेसर से लैस होगा। आने वाले फोन में 8जीबी रैम की रैम दी जा सकती है। साथ ही इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का अमोलेड डिस्प्ले होने की बात भी सामने आई है। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कंपनी ने बताया है कि सीएमएफ फोन 1 में मीडियाटेक डाइमेंशन 7300 5जी एसओसी प्रोसेसर दिया जाएगा। ये पहले से ही कंफर्म हो गया है कि इस फोन में 120एचझेड रिफ्रेश रेट, एचडीआर10 प्लस सपोर्ट और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ 6.67-इंच का अमोलेड डिस्प्ले होगा। सीएमएफ फोन 1 में 8 जीबी रैम दी जा सकती है। सीएमएफ के नए फोन में रैम बूस्टर तकनीक के साथ ऑनबोर्ड मेमोरी को 16 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। ये फोन 4के वीडियो रिकॉर्डिंग को भी सपोर्ट करेगा। फोन का डाइमेंशन 7300 चिपसेट टीएसएमसी की 4 एनएम जेन 2 प्रोसेसर पर बेस्ड है और इसमें 2.5जीएचझेड की क्लॉक स्पीड के साथ चार परफॉर्मेंस कोर शामिल है। इस चिपसेट से आने वाले फोन में ब्लूटूथ 5.3, वाई-फाई 6 और डुअल 5जी कनेक्टिविटी ऑप्शन मिलेगा।साथ ही ये भी दावा किया गया है कि इस नए लॉन्च किए गए ऑक्टा-कोर चिपसेट ने 673,000 अंकों के साथ अनटुटू बेंचमार्क टेस्ट में स्नैपड्रैगन 782जी, डाइमेंशन 7050 और स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 चिपसेट से बेहतर परफॉर्मेंस के साथ आते हैं।

हाइब्रिड वाहनों ने ईवी की बिक्री को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड वाहनों ने ईवी की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

देश में लोग ईवी से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। दुनिया में पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों के अलावा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 प्रतिमाह के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही। प्योर इलेक्ट्रिक कारें 8 लाख रुपए से शुरू होती हैं, वहीं हाइब्रिड कारों की कीमत 17 लाख से शुरू है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, फरवरी में अमेरिका में ईवी बिक्री की तुलना में हाइब्रिड की बिक्री पांच गुना तेजी से बढ़ी है। ऑटो कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटो मोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हाइब्रिड कारों की बिक्री पिछले साल 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। यही वजह है कि मारुति सुजुकी, टोयोटा जैसे जापानी वाहन निर्माता ईवी के बजाय हाइब्रिड पर जोर दे रहे हैं। हुंडई भी 2026 तक भारत में अपनी पहली हाइब्रिड कार लॉन्च करने की योजना बना रही है। हाइब्रिड व्हीकल में पेट्रोल या डीजल जैसे इंटरनल कंबशन इंजन (आइस) के साथ ही इलेक्ट्रिक बैटरी भी होती है, जो वाहनों की रेंज और फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने में मददगार है।

एफपीआई रासेल कैपिटल ने सेबी को 1.23 करोड़ का भुगतान किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक रासेल कैपिटल वीसीसी ने निपटान शुल्क के रूप में 1.23 करोड़ रुपये का भुगतान कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों के कथित उल्लंघन से संबंधित एक मामले का निपटारा कर दिया है। बाजार नियामक सेबी का यह आदेश रासेल कैपिटल द्वारा कानून के तथ्यों और निष्कर्षों को स्वीकार या अस्वीकार किए बगैर इसके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही का निपटारा करने का प्रस्ताव देने के बाद आया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों और अन्य बाजार मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए रासेल कैपिटल के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। रासेल कैपिटल ने मामले को निपटाने के लिए सेबी के (निपटान कार्यवाही) विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप निपटान अर्जी लगाई थी।

आवेदन मिलने के बाद सेबी की उच्चाधिकार-प्राप्त सलाहकार समिति (एचपीएसी) ने निपटान राशि के भुगतान पर मामले को निपटाने की अनुशंसा की।

सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं नये आपराधिक कानून

डॉ. मोहन यादव

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे । इनका उद्देश्य दंड देने का था, न की न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेजेन्टेटिव, लंदन गैजेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का जिक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफरेंस दिए गए हैं, कॉपीज एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेंट इन द लंदन गैजेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया, पजेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डॉमिनियन्स का भी जिक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह कि गुलामी की निशानियों को पूरी तरह मिटा दिया गया है। जिसके तहत 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और अदालत में जाने से डरते हैं।

इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ-शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। यह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में। खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं।

इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा, व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सजा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सजा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं। अब इस ओर भी तेजी लाई जाएगी। यानी अब इनकी वीडियोग्राफी करके सत्यापित प्रति कोर्ट में जमा करके इनका निपटारा किया जा सकेगा।

इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। इस कानून को डिजिटलाइज किया गया है, यानी एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग (१३३२२ ०श्चैर३३ल्ल्व्र्ल्ल) सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव होगी। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच-पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकदमे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के समय वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है, जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा। पुलिस द्वारा ऐसी रिकॉर्डिंग के बिना कोई भी चार्जशीट वैध नहीं होगी।

आजादी के 75 सालों के बाद भी दोष सिद्धि का प्रमाण बहुत कम है। यही कारण है कि मोदी सरकार ने फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा देने का काम किया है। तीन साल के बाद हर साल 33 हजार फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स देश को मिलेंगे। साथ ही श्री अमित शाह ने लक्ष्य रखा है कि दोष सिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि 7 वर्ष या इससे अधिक सजा वाले अपराधों के क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम की विजिट को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस के पास एक वैज्ञानिक साक्ष्य होगा जिसके बाद कोर्ट में दोषियों के बरी होने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 - पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है। (लखेक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

संपादकीय

एक सार्थक पहल

हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वे कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू। मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से मां का तो सम्मान होगा ही साथ में धरती मां की रक्षा भी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम ह्यमन की बातह्न के दौरान ये बातें कही। विश्व पर्यावरण दिवस यानी 5 जून को शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान की चर्चा के दौरान उन्होंने यह कहा। 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए मोदी ने देशवासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था, जिसमें पैंसठ करोड़ लोगों ने मत डाले। वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की हौसलाफजाई भी नहीं भूले। उन्होंने जनता से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए हैशटैग ह्यचीयर 4 भारतह्न का प्रयोग करने का आग्रह भी किया। चूंकि कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों तक प्रधानमंत्री की आवाज सीधा पहुंचाना है। दूर-दराज व ग्रामीण इलाकों तक संदेश पहुंचाने के लिए इसे टीवी व यू-ट्यूब के साथ रेडियो पर प्रसारित किया जाता है। 2014 के सर्वेक्षण के अनुसार इसे 66.7 फीसद आबादी द्वारा सुना गया। साथ ही यह आकाशवाणी के लिए राजस्व जुटाने का प्रमुख कार्यक्रम बन चुका है। निःसंदेह ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम द्वारा मोदी ने खास वर्ग के दिलों को छूने का काम किया है। ग्लोबल वार्मिंग की मार झेल रहे नागरिकों को मां के नाम पर पौधा रोपने के लिए प्रोत्साहित करना, बेहतरीन नतीजे दे सकता है। पेड़ का आज के समय में कितना महत्त्व है, यह जगजाहिर है। हमारी परंपरा व परिवार के अटूट बंधन की यही तो बुनियाद है। हालांकि देश के मुखिया को जबरदस्त बारिश, बाढ़, पीने के पानी की कमी जैसी बुनियादी दिक्कतों की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। राज्य सरकारों की नकेल कसते हुए उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और बुनियादी जरूरत के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। लोग सिर्फ पौधे लगा कर उन्हें छोड़ न दें, बल्कि उनकी उचित देखभाल का जिम्मा भी लें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले वक्त में हमें और आने वाली पीढ़ी को कई तरह की दुश्वारियां झेलनी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ। मैं तुझे अत्यंत निश्शंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विशेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

संसद में दिया गया राहुल गांधी का भाषण चर्चाओं में

सनत जैन

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के पहले, विपक्ष नीट वाले मामले की चर्चा करना चाहता था। सरकार ने स्थगन प्रस्ताव मंजूर नहीं किया। सरकार और आसंदी का कहना था। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष अपनी बात कह सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान स्थगन या अन्य प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सरकार को भरोसा था, स्थगन प्रस्ताव को लेकर विपक्ष हो-हल्ला और हंगामा करेगा। धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में भाग नहीं लेगा। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाएगी। विपक्ष चर्चा ही नहीं करना चाहता है। इससे सरकार को नीट का मामला डाइवर्ट करने में मदद मिलती। विपक्ष भी अब सत्ता पक्ष की चाल को समझने लगा है। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष चर्चा करने के लिए तैयार हो गया। सत्ता पक्ष की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुरूआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और विकास को अपने भाषण में शामिल किया। अनुराग ठाकुर ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की जो उपलब्धियां बताई थी। उसी को आधार बनाकर राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से अपना पक्ष रखा। राहुल गांधी ने अयोध्या मामले में हिंदू और नफरत को राम मंदिर ओर अयोध्या के विकास से जोड़कर ,जिस तरह अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की। वह तारीफ करने योग्य थी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में भगवान शिव, गुरु नानक देव, यीशु मसीह, भगवान राम के अहिंसा संदेशों की याद दिलाते हुए कहा, किसी ने भी हिंसा का कभी समर्थन नहीं किया। हिंदुत्व,अग्निवीर,पेपर लीक एवं कोटा का उल्लेख करते हुए,उन्होंने सरकार के ऊपर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझ गए हैं। उन्होंने डर और भय की राजनीति से दूर रहने के लिए कहा। उन्होंने सदन के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर निशाना साधते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के भय का उल्लेख करते हुए, सत्ता पक्ष को निशाने पर लिया। आसंदी को उन्होंने सर्वोच्च बताते हुए किसी के सामने नहीं झुकने की सलाह दे डाली। अडानी और अंबानी का भी उल्लेख उन्होंने नोटबंदी से जोड़कर कर दिया। सांप्रदायिक आधार पर लोगों के बांटने पर उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने यह भी कह दिया, हिंदू समाज कभी हिंसक नहीं हो सकती है। एक तरह से उन्होंने भाजपा और उनके सभी सहयोगी संगठनों को हिंदू के नाम पर हिंसक बताने का काम किया।

बहरहाल राहुल गांधी के 1 घंटे 40 मिनट के भाषण को लेकर, जिस तरह की प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। उसमें विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सराहा गया है। वहीं सदन में सरकार को हर मुद्दे में घेरने में सफल हुए हैं। यह अलग बात है, राहुल गांधी के भाषण के कई अंश लोकसभा की कार्यवाई से हटा दिए गए हैं। डिजिटल मीडिया के जमाने में लोकसभा की कार्यवाई लाइव चल रही थी। राहुल ने जो भी बोला, वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लोगों तक तुरंत पहुंच गया। स्थगन प्रस्ताव सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने भले स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने जिस तरह से परीक्षा मे हो रही गड़बड़ी,अग्निवीर, सत्य- अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की है। राहुल गांधी ने कहा हिंदू कभी हिंसक नहीं हो सकता है। जो हिंसक है, वह हिंदू नहीं हो सकता है। हिंदुत्व और हिंदू धर्म को लेकर उन्होंने सत्ता पक्ष के लिए कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

राहुल गांधी ने संसद के अंदर जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ रखा है। राहुल गांधी के भाषण की चर्चा सारे देश और दुनिया में हो रही है। राहुल गांधी की जो छवि बनाई गई थी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की छवि ठीक उसके विपरीत नजर आई, यही राहुल गांधी और विपक्ष की सफलता है।

मुद्दाः अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढ़कर 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 86.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 86.57 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन आदि अपनी प्रतिभा, कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं। ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इसमें कोई दो मत नहीं कि अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार की और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की नई सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बॉलीवुड के किंग

शाहरुख खान को पार्डो ला कैरियरा से किया जाएगा सम्मानित!

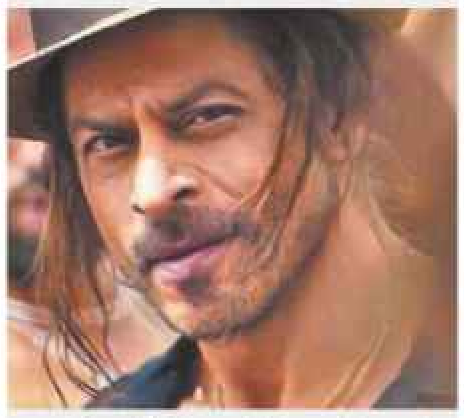

लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में, भारतीय सुपरस्टार और वैश्विक इकन शाहरुख खान को फेस्टिवल के करियर चीवमेंट वार्ड, प्रतिष्ठित पार्डो ला कैरियरा सकोना-लोकार्नो टूरिज्म से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय करियर को एक ट्रिब्यूट देगा, जिसमें विभिन्न विधाओं की 100 से धिक फिल्में शामिल हैं। भारत में किंग खान - बॉलीवुड के बादशाह - के नाम से मशहूर शाहरुख खान भारतीय सिनेमा की जीवंतता को दर्शाने वाले एक नोखे प्रतीक बन गए हैं। अभिनेता को शनिवार, 10 गस्त की शाम को पियाजा ग्रांडे में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लावा, खान के करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म - देवदास (संजय लीला भंसाली, 2002) को फेस्टिवल के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा, और शाहरुख रविवार, 11 गस्त को फोरम सिनेमा में जनता के लिए बातचीत के लिए उपस्थित होंगे। शाहरुख खान की कई फिल्मों को वैश्विक स्तर पर पसंद किया जाता है और इसने उन्हें दुनिया भर के दर्शकों के बीच एक बेहद लोकप्रिय नाम बना दिया है, जिसके कारण उन्हें दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में पने देश ौर पनी कई फिल्मों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

भारतीय सिनेमा में उनके 30 साल से अधिक के सफर में उनकी सबसे प्रशंसित और ब्रेकआउट फिल्मों में से कुछ रोमांटिक थ्रिलर बाज़ीगर (1993) रही है, जिसमें खान ने बदला लेने की तलाश में एक हत्यारे लेकिन सहानुभूतिपूर्ण एंटी-हीरो की भूमिका निभाई थी। कुछ साल बाद उन्हें एक रोमांटिक ड्रामा, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) ौर समय-सीमाओं के पार प्रेम-कहानी, कुछ कुछ होता है (1998) के दम पर सुपरस्टार का दर्जा दिया गया। साथ ही, इस नई प्रसिद्धि की विशालता ने खान को लग और पने समय से बहुत आगे की भूमिकाएँ निभाने से नहीं रोका, जैसे कि यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित रोमांटिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर डर (1993) में राहुल, मणिरत्नम द्वारा महाकाव्य दिल से.. (1998) में एक पत्रकार जो एक आतंकवादी से प्यार करता है।

गले दो दशकों में, खान के करियर में भारत के कुछ सबसे प्रमुख निर्देशकों और सितारों के साथ हाई-प्रोफाइल सहयोग शामिल होंगे, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जबरदस्त पहचान मिली। खान को 2007 में ढ्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस और 2014 में फ्रांस सरकार द्वारा लीजन डीऑनर से सम्मानित किया गया था। शाहरुख खान की हालिया रिलीज़ में 2023 में रिलीज़ होने वाली तीन फ़िल्में शामिल हैं, पठान (2023), जवान (2023) और डंकी (2023), जिनमें से सभी बड़ी व्यावसायिक सफलताएँ थीं और वैश्विक दर्शकों से पार सराहना प्राप्त की। खान के पने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित जवान (2023) ने ब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया है, जिससे भिनेता की पनी पीढ़ी के सबसे प्रिय भारतीय सितारों में से एक के रूप में स्थिति की पुष्टि होती है।

जिओना ए. नाज़ारो, कलात्मक निर्देशक लोकार्नो में शाहरुख खान जैसे दिग्गज का स्वागत करना एक सपने के सच होने जैसा है! भारतीय सिनेमा में उनके योगदान की समृद्धि और व्यापकता भूतपूर्व है। खान एक ऐसे किंग हैं जिन्होंने अपने दर्शकों से कभी संपर्क नहीं खोया। यह साहसी और साहसी कलाकार हमेशा खुद को चुनौती देने के लिए तैयार रहा है, जबकि दुनिया भर में उसके प्रशंसक उसकी फिल्मों से जो उम्मीद करते हैं, उसके प्रति सच्चा बना रहा है। एक सच्चे लोगों के नायक, परिष्कृत ौर जमीन से जुड़े शाहरुख खान हमारे समय के एक दिग्गज हैं।

ट्रिब्यूट प्रोग्राम

शाहरुख खान शनिवार, 10 गस्त की शाम को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पियाज़ा ग्रांडे में होंगे। लोकार्नो77 के दौरान उनके करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म दिखाई जाएगी.

पार्डो ला कैरियरा को सकोना-लोकार्नो टूरिज्म के सहयोग से संभव बनाया गया है, जो लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल का गंतव्य भागीदार है, जिसका काम लेक मैगीओर और लोकार्नो के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता में पर्यटन के विकास और प्रचार को बढ़ावा देना है। झील और पहाड़ों के बीच बसा, लोकार्नो पने फिल्म फेस्टिवल के लिए एक लुभावनी पृष्ठभूमि के रूप में कार्य करता है, जहाँ प्राकृतिक परिदृश्य और सांस्कृतिक उत्सव का तर्संबंध एक शानदार नुभव बनाता है। प्रकृति में स्थापित एकमात्र प्रमुख फिल्म फेस्टिवल के रूप में, दर्शक सकोना-लोकार्नो क्षेत्र के सुंदर परिवेश के खिलाफ 360 ए सिनेमाई नुभव का आनंद ले सकते हैं।

बतौर बाल कलाकार फिल्मी दुनिया में रखे थे कदम

साउथ में भी है मिर्जापुर की माधुरी भाभी की धमक

लोकप्रिय सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन आने वाला है। रिलीज डेट है 5 जुलाई और रिलीज होने का ठिकना है प्राइम वीडियो। ट्रेलर तो पहले ही आ चुका है ौर देखकर यह दाजा भी हो गया है कि गला सीजन पिछले दो सीजन से ज्यादा तूफानी होने वाला है। आखिर घायल शेर की वापसी का मामला है। ट्रेलर में कालीन भैया, गुड्डू पंडित के लावा महिलाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। इसी सीरीज की एक पात्र हैं माधुरी भाभी, इसे निभाया है भिनेत्री ईशा तलवार ने। सीरीज में उनकी बोल्डनेस, राब ौर भिनय ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। गले सीजन में भी वह दमदार दाज में नजर आएंगी। ईशा तलवार ने मिर्जापुर में माधुरी भाभी के किरदार से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस सीरीज में उनकी शादी कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) से हुई है। ईशा तलवार चुनावी मैदान में सक्रिय भागीदारी करती दिखी हैं। इस सीरीज ने बेशक ईशा को लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंचाया है, लेकिन उनका करियर काफी लंबा है। वह साउथ सिनेमा की भी नामी दाकारा हैं। सबसे दिलचस्प तो उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी। ईशा तलवार हिंदी के लावा मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ईशा तलवार का जन्म 22 दिसंबर 1987 को मुंबई में हुा। ईशा ने महज 10 साल की उम्र में बॉलीवुड फिल्म हमारा दिल पके पास है (2000) से डेब्यू किया था। हालांकि, बतौर अभिनेत्री उन्होंने पना करियर वर्ष 2012 में मलयालम फिल्म थात्ताथिन मरयात्तु से शुरू किया। इसके बाद उन्हें आई लव मी (2012) में देखा गया था।

इसके बाद ईशा तलवार ने मैजिक लव (2013) के साथ तेलुगु फिल्मों में और थिल्लू मुल्लू (2013) के साथ तमिल फिल्मों में शुरुात की। उन्होंने मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की हैं। इसके बाद बॉलीवुड में ईशा ने अच्छा काम किया। वर्ष 2017 में फिल्म ट्यूबलाइट में वह नजर ई। फिर 'कालाकांडी', 'आर्टिकल 15' और 'गिन्नी वेड्स सनी' जैसी कई फिल्मों और सीरीज में पनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।

ईशा ने अपने करियर की शुरुात बतौर मॉडल की थी। वे 40 से ज्यादा विज्ञापनों में काम कर चुकी हैं। इसके लावा वह एक बेहतरीन डांसर भी हैं। ईशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर ईशा के 14 लाख फॉलोअर्स हैं। ईशा तलवार काफी आलीशान जिंदगी जीती हैं। अपने फिल्मी करियर में कई चर्चित फिल्मों और सीरीज में काम करते हुए उन्होंने अच्छी-खासी संपत्ति इकट्ठी कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 26 करोड़ रुपये है।

सामंथा ने स्तन कैंसर का इलाज करा रही हिना को बताया योद्धा

तीसरे चरण के स्तन कैंसर से जूझ रही एक्ट्रेस हिना खान को सामंथा रुथ प्रभु ने योद्धा कहा है। उनके कैंसर की खबर सुनकर परेशान हुई एक्ट्रेस ने कहा कि मैं पके लिए प्रार्थना कर रही हूं। सामंथा ने हिना का नवीनतम वीडियो पने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। वीडियो में ये रिश्ता क्या कहलाता है की एक्ट्रेस कैंसर डायग्नोसिस के बारे में बात करती नजर ा रही हैं। रील वीडियो में हिना को एक वॉर्ड शो में भाग लेते हुए ौर फिर पनी पहली कीमोथेरेपी के लिए जाते हुए दिखाया गया है। हिना ने वीडियो को कैप्शन दिया कि इस पुरस्कार समारोह में मुझे पने कैंसर के बारे में पता चला, लेकिन मैंने इसे न केवल पने लिए बल्कि हम सभी के लिए सामान्य बनाने का निर्णय लिया। यह वह दिन था, जिसने सब कुछ बदल दिया, यह मेरे जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक की शुरुात थी। हिना ने पोस्ट में लिखा कि मैंने इस चुनौती को खुद को फिर से नया रूप देने के वसर के रूप में लेने का फैसला किया है। मैंने पने टूलकिट में सकारात्मकता की भावना को पहले उपकरण के रूप में रखने का फैसला किया है। मैंने पने लिए इस अनुभव को सामान्य बनाने का फैसला किया है। मेरे लिए मेरी कार्य प्रतिबद्धताएं मायने रखती हैं। मेरे लिए मेरी प्रेरणा, जुनून और कला मायने रखती हैं। मैं झुकने से इनकार करती हूं। यह पुरस्कार जो मुझे मेरे पहले कीमो से ठीक पहले मिला, वह केले मेरी प्रेरणा नहीं थी, वास्तव में मैं इस कार्यक्रम में खुद को आश्वस्त करने के लिए शामिल हुई थी कि मैंने पने लिए जो बेंचमार्क सेट किया है, उस पर खरी उतर सकूं। उन्होंने आगे लिखा कि मैंने कार्यक्रम में भाग लिया और पनी पहली कीमो के लिए सीधे स्पताल चली गई। मैं विनम्रतापूर्वक सभी से आग्रह करती हूं कि पहले पने जीवन की चुनौतियों को सामान्य बनाएं, फिर पने लिए लक्ष्य निर्धारित करें और हर तरह से उन पर खरा उतरने की कोशिश करें। चाहे कितना भी मुश्किल क्यों न हो। कभी पीछे न हटें। कभी हार न मानें। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर भी यही वीडियो शेयर किया और लिखा कि आपके लिए प्रार्थना कर रही हूं, हिना खान तुम योद्धा हो।

फिर पोस्टपोन हुई जय-तब्बू की 'औरों में कहां दम था', अब इस महीने होगा प्रदर्शन

अजय देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। वे इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। हालांकि उन्हें भी इसके लिए ौर इंतजार करना पड़ेगा। फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। पहले यह फिल्म 5 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, ब इसे गे बढ़ा दिया गया है। इसकी वजह बॉक्स ॉफिस पर बंपर कलेक्शन कर रही फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' है। इसे देखने के लिए थिएटर्स में भारी संख्या में भीड़ पहुंच रही है। ऐसे में जय की फिल्म को भारी नुकसान हो सकता है। सूत्रों के नुसार 27 जून को रिलीज हुई 'कल्कि' के दूसरे वीकेंड में भी च्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। गर इस शुक्रवार को 'औरों में कहां दम था' रिलीज होती है तो इससे स्क्रीन शेयरिंग की समस्या होगी ौर दोनों फिल्में प्रभावित होंगी। फिल्म एग्जीबिटर को भी नुकसान होगा। ऐसे में बिजनेस के व्यापक हित में फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया है। ब मेकर्स 2 अगस्त को फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी के भी हम रोल हैं। इसके डायरेक्टर व राइटर नीरज पांडे हैं। संगीत एमएम किरवानी ने दिया है।

टीवी देखते हुए एब क्रंचेस, सिट-अप्स व पुश-अप्स करता हूं : सोनू सूद

एक्टर सोनू सूद पने काम और एक्टिंग के अलावा अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। उनके 6 पैक्स एब्स ने हर किसी का ध्यान पनी ओर खींचा है। अपनी फिटनेस के पीछे का सीक्रेट बताते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वह टीवी देखते हुए एब क्रंचेस, सिट-प्स और पुश-अप्स को पनी रूटीन में शामिल करते हैं। आपने अक्सर सुना होगा कि बेहतरीन बॉडी पाने के लिए सप्लीमेंट्स और नॉनवेज खाने की जरूरत पड़ती है। सोनू सूद ने इस बारे में भी आम मिथकों को दूर किया। उन्होंने कहा, लोगों में क्सर यह गलत धारणा होती है कि अच्छे शरीर के लिए नॉनवेज खाने की जरूरत होती है, लेकिन मैंने सीखा है कि यह हेल्दी डाइट पर ज्यादा निर्भर होता है। स्टार ने हेल्दी लाइफस्टाइल को बनाए रखने के लिए कंट्रोल और बैलेंस डाइट के साथ-साथ पूरे दिन एक्टिव रहने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, टीवी देखते समय भी मैं क्रंचेस, पुश-प्स और सिट-अप्स करके खुद को एक्टिव रखने के तरीके ढूंढ लेता हूं। ये सिंपल एक्टिविटीज मुझे एक्टिव रहने में मदद करती हैं।

सिस्टेंट संग शादी के बंधन में बंधे डायरेक्टर समीर विद्वांस

बाराती बनकर पहुंचे कार्तिक आर्यन

फिल्म इंडस्ट्री में हाल ही में एक और हस्ती शादी के बंधन में बंध गई है। फेमस डायरेक्टर समीर विद्वांस ने भी अपनी सपनों की राजकुमारी संग सात फेरे ले लिए हैं। उनकी शादी 29 जून को हुई है, जिसका खुलासा हाल ही में एक्टर कार्तिक आर्यन ने किया है। साथ ही उन्होंने समीर की वेडिंग फोटोज भी शेयर की हैं। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस डायरेक्टर को खूब बधाइयां दे रहे हैं। दरअसल, समीर विद्वांस ने कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का डायरेक्शन किया था। इस फिल्म में उनकी सिस्टेंट डायरेक्टर जुली सोनलकर थी, जिनके साथ ब समीर ने शादी कर ली है। दोनों की शादी 29 जून, 2024 को हुई है और इसी दिन एक साल पहले 'सत्यप्रेम की कथा' फिल्म भी रिलीज हुई थी। ऐसे में कार्तिक आर्यन ने इस दिन की कई खूबसूरत यादें शेयर करते हुए समीर विद्वांस की शादी का भी खुलासा किया। समीर और जुली की शादी में चंदू चैंपियन एक्टर कार्तिक आर्यन बराती बनकर पहुंचे और काफी हैंडसम लगे। शादी ही नहीं, कार्तिक ने कपल की रिसेप्शन पार्टी भी टेंड की, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। तस्वीरों देखा जा सकता है समीर और जुली दूल्हा-दुल्हन बने बेहद खूबसूरत लग रही हैं। रिसेप्शन पार्टी में भी कपल बेहद प्यारा लग रहा है।

रिया चक्रवर्ती ने खुद को बताया सबसे बड़ी गोल्ड डिगर

सुनकर हैरान रह गईं सुष्मिता सेन

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद खूब चर्चा में आई थीं। उन पर एक्टर की मौत का आरोप लगा था और मामले में उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी थी। इतना ही नहीं, उन्हें लोगों की ट्रोलिंग का भी खूब सामना करना पड़ा था। गोल्ड डिगर तक के ताने सुनने पड़े थे। वहीं ब हाल ही रिया ने खुद को ही सबसे बड़ी गोल्ड डिगर बताया है। उनकी ये बात सुन एक्ट्रेस सुष्मिता सेन भी हैरान रह गईं। दरसल, रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में पना चैट शो चैप्टर 2 शुरू किया है, जहां सुष्मिता सेन उनके शो की पहली मेहमान बनी। रिया ने पने इस शो का एक प्रोमो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें वह कह रही हैं- आपको पता है कि इस इंडस्ट्री में आपसे बड़ी गोल्ड डिगर है जब सुष्मिता सेन हैरानगी में पूछती हैं, सच इस पर रिया चक्रवर्ती ने खुद का नाम लिया। उन्होंने खुद को सबसे बड़ी गोल्ड डिगर कहा है। वीडियो को शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती ने कैप्शन में लिखा, मैं कल ही 32 साल का हुई हूं और यह बहुत शानदार सफर रहा है।

शादी के लिए तैयार हैं सुष्मिता बोलीं...

सही वक्त पर सही इंसान मिल जाए तो शादी भी हो जाएगी!

सुष्मिता सेन अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बिंदास रवैया रखती हैं। चाहे बात उनकी डेटिंग लाइफ की हो या शादी की वे खुलकर हर सवाल का जवाब देती हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, देखिए मुझे कभी भी शादी से इनकार नहीं था। मैं शादी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन सामाजिक दबाव या किसी दूसरे कारणों की वजह से नहीं। बॉलीवुड की मशहूर भिनेत्री सुष्मिता सेन जो भी करती हैं डंके की चोट पर करती हैं। वे जिंदगी को पने शर्तों पर जीती हैं। सुष्मिता जितनी शानदार भिनेत्री हैं उतनी ही खूबसूरत इंसान भी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे पनी निजी जिंदगी से जुड़े कई सवालों का जवाब देती नजर आईं। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि वे कब शादी के बंधन में बंधने वाली हैं।

सुष्मिता सेन पनी निजी जिंदगी को लेकर एक बिंदास रवैया रखती हैं। चाहे बात उनकी डेटिंग लाइफ की हो या शादी की वे खुलकर हर सवाल का जवाब देती हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, देखिए मुझे कभी भी शादी से इनकार नहीं था। मैं शादी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन सामाजिक दबाव या किसी दूसरे कारणों की वजह से नहीं। मैं शादी तब करूंगी जब मुझे सामने वाला इंसान सही लगेगा ौर वह मेरे शादी के लिए सभी बॉक्स में फिट बैठेगा। सुष्मिता सेन से जब पूछा गया कि क्या वे पने पूर्व-साथियों के साथ दोस्ती का रिश्ता शेयर करती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, यह थोड़ा जटिल मामला है। कुछ लोग पने एक्स के साथ दोस्ती का रिश्ता रखते हैं, लेकिन फिर मुझे लगता है कि प लाइन कहां खींचेंगे। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मेरे कई पूर्व-साथी ाज भी मेरे दोस्त हैं। सुष्मिता सेन पनी निजी जिंदगी को लेकर क्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रणदीप हुड्डा ौर ललित मोदी के संग रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। कहा जा रहा है कि इन दिनों वे एक बार फिर से रोहमन शॉल को डेट कर रही हैं। बीच में दोनों की ब्रेकप की खबरें खूब वायरल हुईं थीं। वहीं भिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे पिछले दिनों ार्या में नजर ई थीं।

-साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

मैच के दौरान बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत

● इंडोनेशिया में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान आया हार्ट अटैक

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर गिरने से 17 वर्षीय चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत हो गई। खिलाड़ी का नाम झांग झिजी है जिसकी बैडमिंटन कोर्ट में हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं इस घटना पर भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने भी सोशल मीडिया भी दुखी नजर आई। यह घटना रविवार देर रात की है। झांग झिजी ने किंडरगार्टन में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और पिछले साल उन्हें चीन की नेशनल यूथ टीम में शामिल किया गया। इंडोनेशिया (जकार्ता) में एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी पहले बेहोश हुआ और फिर उसे हार्ट अटैक आया जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में झांग झिजी को वेन्यू पर ही इलाज दिया गया लेकिन हलचल न दिखते हुए फिर उनको एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रात में उनकी मौत हो गई।

पीवी सिंधु ने जताया शोक

इस खिलाड़ी की मौत के बाद भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने एक पोस्ट लिखा है। संधू ने पर लिखा- जूनियर एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप से युवा बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी के निधन की खबर बेहद दुख है, मैं इस दुखद समय में झांग के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। आज दुनिया ने एक असाधारण प्रतिभा खो दी है।

रोनाल्डो ने अपने रिटायरमेंट को लेकर किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। बात अगर फुटबॉल की हो, और रोनाल्डो का नाम न आए ऐसा हो नहीं सकता। फुटबॉल के मैदान में अपना जादू बिखेरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किसी न किसी खबर से घिरे ही रहते हैं। लेकिन इस बार उनकी चर्चा होने की वजह उनका फुटबाल से संन्यास है।

जी हां, पुर्तगाल के फुटबॉल जांबाज क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूरो कप से सन्यास ले रहे हैं और उन्होंने इस बात का ऐलान कर दिया है। रोनालडो ने कहा है कि इस बार वो अपना आखिरी यूरो कप खेल रहे हैं और फिर इसके बाद वो यूरोपियन चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगे।

रोनाल्डो का फुटबॉल से संन्यास

आपको बता दें कि 2024 का यूरो कप जर्मनी में खेला जाने वाला है। जिसमें रोनाल्डो की टीम (पुर्तगाल) ने स्लोवेनिया को हरा दिया है। ऐसे में अब टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है और अब उनका मुकाबला फ्रांस की टीम के साथ होने वाला है। इस मैच में रोनाल्डो की आंखों से तब आंसू टपक गए, जब उन्होंने स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी मिस कर दी। उनको भावुक होता देख उनकी मां की आंखों से भी आंसू छलक गए। इस मैच के बाद ही रोनाल्डो ने इस बात की जानकारी एक पुर्तगाली चैनल के माध्यम से दी कि ये उनका आखिरी यूरो मैच है।

हॉकी

पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

40 से अधिक उम्र के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।

हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है।

टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं।

यह ऐसा आयोजन होगा जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून को मान्यता देगा। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम के जश्न के साथ हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है।

टोक्यो ओलंपिक समाप्त होते ही मैंने पेरिस 2024 के लिए तैयारी शुरू कर दी थी: निखत जरीन

नई दिल्ली, एजेंसी। निखत जरीन पेरिस 2024 में अपने प्रभावशाली पदक संग्रह को बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक पर नजर रख रही हैं। छह भारतीय मुक्केबाज, चार महिलाएं और दो पुरुष, ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है और उनमें से पांच खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी जाने से पहले 22 जुलाई तक जर्मनी में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

टीम में निखत ज़रीन (महिला 50 किग्रा), प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा), टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन (महिला 75 किग्रा), निशांत देव (पुरुष 71 किग्रा) और अमित पंघल (पुरुष 51 किग्रा) शामिल हैं। टोक्यो 2020 में भारत का अभियान समाप्त होने के बाद से, ज़रीन का ध्यान पेरिस 2024 पर केंद्रित है, उन्हें विश्वास है कि यह उनके लिए अपनी चमक दिखाने का क्षण है। जरीन ने जियोसिनेमा से कहा कि जब टोक्यो ओलंपिक में भारत का अभियान समाप्त हुआ, तो उस दिन मैंने अपना ध्यान पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगाने का फैसला किया। मैंने पेरिस की उलटी गिनती के बारे में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी पोस्ट की। मुझे लगता है कि हर किसी का अपना एक पल होता है, और यह मेरा पल है। जिसने भी कहा था कि मैं पेरिस नहीं पहुंच पाऊंगी, मैंने आखिरकार इसे हासिल कर लिया। मैं अपने आस-पास की सभी नकारात्मकता और सकारात्मकता को सकारात्मक रूप से लूंगी और पेरिस में रिंग के अंदर एक अलग फाइटर के रूप में बेहतर होने की कोशिश करूंगी।

अपनी सफलता की राह पर विचार करते हुए, ज़रीन अपने समुदाय में सामाजिक मानदंडों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के अटूट समर्थन को देती हैं। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है, मैं एक ऐसे समुदाय से आती हूं जहां महिलाओं को समर्थन की कमी है। लेकिन मेरे पिता, जो खुद एक एथलीट हैं, जानते थे कि एक चैंपियन बनने के लिए क्या करना पड़ता है। उन्होंने हमेशा मेरी यात्रा में मेरा समर्थन किया। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे अपना ध्यान बॉक्सिंग पर केंद्रित करना चाहिए। जब आप देश के लिए मेडल जीतने का सपना पूरा कर लेंगे, उस दिन ये लोग आपको बधाई देने आएंगे और सेल्फी लेंगे।

ज़रीन ओलंपिक चैंपियन बनने की अनूठी चुनौती को रेखांकित करते हुए, अपने खेल के शिखर तक पहुंचने के लिए आवश्यक बलिदानों पर जोर देती हैं। मैंने विश्व चैंपियन बनने के लिए कई चीजों का त्याग किया है, लेकिन ओलंपिक चैंपियन बनना अलग बात है। जब भी मैं प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही होती हूं, मैं सोशल मीडिया से दूर रहती हूं।

मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ ज्यादा बात नहीं करती हूं। मैं उनके साथ समय बिताती हूं। इस बार, पेरिस 2024 की तैयारी में, मैं इन सभी विकर्षणों से दूर रहने की कोशिश करूंगी, और जितना संभव हो सके सकारात्मक रहने की कोशिश करूंगी और पेरिस के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। पदक से पहले की हर जंग से पहले की अपनी मानसिकता की झलक दिखाते हुए ज़रीन ने हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के महत्व पर जोर दिया। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के मकसद से उतरती हूं ताकि रिंग के अंदर चाहे कुछ भी हो, परिणाम कुछ भी हो, मुझे इस बात का अफसोस नहीं होना चाहिए कि अगर मैंने 10 प्रतिशत और दिया होता तो मैं मुकाबला जीत सकती थी।

मैं वह पछतावा नहीं चाहती, इसलिए मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देने की मानसिकता के साथ उतरती हूं। निखत ज़रीन के शानदार करियर में दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में एक स्वर्ण और 2022 एशियाई खेलों में एक कांस्य पदक शामिल हैं। वह उन छह भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई किया है।

विमलडन :

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार हुईं

लंदन, एजेंसी। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजा भूलें कीं। हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं।

फैंस का दिल टूट गया...

मेसी ओलिंपिक नहीं खेल पाएंगे

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलिंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलिंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम

को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी। ओलिंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लाडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलिंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

डेविड मिलर ने ले लिया संन्यास?

अब सामने आकर कही ये बात

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम की जीत, विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बीच सूर्यकुमार यादव का ऐतिहासिक कैच भी काफी चर्चाओं में रहा है. यह कैच मुकाबले के आखिरी ओवर की पहली बॉल पर आया था. इस कैच के कारण डेविड मिलर पवेलियन लौटे थे और साउथ अफ्रीका के साथ से खिताब जीतने का मौका फिसल गया था.

इन सभी के बाद एक खबर और आई थी कि किलर मिलर कहे जाने वाले इस अफ्रीकी स्टार ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. ऐसे में फाइनल हार से निराश अफ्रीकी फैन्स को और भी ज्यादा झटका लगा था. मगर अब मिलर ने खुद आकर इस बात पर सफाई दी है.

दरअसल, डेविड मिलर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है, जिसके जरिए कहा है कि उनके टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की जो खबरें चल रही हैं, वो बेबुनियाद हैं. यह सब अफवाह है.

डीएफसी ने क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

चंडीगढ़, एजेंसी। कौशल और दृढ़ संकल्प के शानदार प्रदर्शन के साथ पहले चैंपियन डीएफसी ने एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में मध्य प्रदेश के चैंपियन कासा बड़वानी एफसी पर 13-2 की शानदार जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

मैच की शुरुआत पोई के शानदार प्रदर्शन से हुई, जिनकी व्यक्तिगत प्रतिभा ने डीएफसी को शुरुआत में ही स्कोरबोर्ड पर पहुंचा दिया। किपगेन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को बड़ा करते हुए दबाव में अपनी सटीकता और धैर्य का परिचय दिया।

कासा बरवानी के अबुजाफर ने एक गोल करके वापसी की और पहले हाफ का अंत 2-1 स्कोर से किया। हालांकि, दूसरे हाफ में डीएफसी के युवा सवॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले मिनट से ही मैदान पर अपना दबदबा बना लिया। थियाम और लुकिम ने दो तेज गोल करके बढ़त को और आगे बढ़ाया।

शेर-ए-पंजाब टी-20 कप का दूसरा सीजन सफल

मोहाली, एजेंसी। शेर-ए-पंजाब टी-20 कप के दूसरे सीजन में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिला, जिसने घरेलू सीजन की शानदार शुरुआत की। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) द्वारा आयोजित टी-20 लीग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें रोमांचक अंत देखने को मिला।

बीएलवी ब्लास्टर्स और ट्राइडेंट स्टैलियंस के बीच खेला गया फाइनल इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच रहा, जिसमें नमन धीर की अगुआई वाली टीम ब्लास्टर्स ने मोहाली के आईएस बिंद्रा पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में लगातार दूसरे सीजन का खिताब अपने नाम किया। बीएलवी ब्लास्टर्स के ओपनिंग बल्लेबाज हरनूर पन्नू ने शेर-ए-पंजाब टी 20 कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 21 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने न केवल 52 गेंदों में 83 रनों की मैच विजयी पारी खेली और अपनी टीम को खिताब दिलाया। 12 मैचों में 578 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने, जिसमें उन्होंने कुल 33 मैचों के टूर्नामेंट में 33 छक्के लगाए। यह हरनूर के लिए एक आदर्श घर वापसी साबित हुई, जिन्होंने पंजाब के लिए अपना अंडर-14 और अंडर-16 क्रिकेट खेला, लेकिन 2019 में चंडीगढ़ यूनिट को बीसीसीआई से संबद्धता मिलने पर वे

बल्लेबाजों ने लगाए 868 चौके और 460 छक्के

यूटी क्रिकेट एसोसिएशन में चले गए। पहले एशिया कप और फिर 2022 में वेस्टइंडीज में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे हरनूर अपने करियर को पुनर्जीवित करने के लिए 2024 में फिर से पंजाब लौट आए। 2021 में अंडर-19 एशिया कप के दौरान प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे हरनूर ही नहीं, कार्तिक शर्मा (457 रन), प्रभसिमरन सिंह (454 रन), अभय चौधरी (445 रन), पुखराज मान (334 रन) जैसे अन्य बल्लेबाजों ने भी अपनी बल्लेबाजी प्रतिभा से प्रभावित किया।

अनुभवी मंदीप सिंह ने भी एग्री किंग्स नाइट्स के लिए खेलते हुए 349 रन बनाए। गेंदबाजी में, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने गेंद के साथ अपनी क्लास और आक्रामकता दिखाई। ट्राइडेंट स्टैलियंस के लिए खेलते हुए 11 मैचों में उनके 22 विकेट के साथ उनके कौशल को दर्शाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में 2 मध्यम गति के गेंदबाज और 3 स्पिनर शामिल हैं।

इसमें से एक हरप्रीत बरार ने फाइनल में आखिरी ओवर में 4 गेंदों पर 12 रन बनाकर ब्लास्टर्स को जीत दिलाई। मध्यम गति के गेंदबाज आराध्य शुक्ला, जो 2023 में भारत की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, उन्होंने भी ब्लास्टर्स के लिए 16 विकेट लेकर गेंद से प्रभावित किया।

म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच फिर जंग.....भारत मिजोरम को लेकर चिंतित

रंगून । म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच जारी जंग फिर से भारत की सीमा के पास पहुंच गई है। जिससे इसकी आशंका बढ़ गई है कि इसका असर भारतीय राज्य मिजोरम तक पहुंच सकता है। म्यांमार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुके विद्रोहियों ने सरकारी सेना को अन्य हिस्सों से भी उखाड़ फेंकने के लिए नया सैन्य अभियान शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार वहीं विद्रोहियों के दो गुटों के बीच में आपस में भी लड़ाई शुरू हो गई है। इससे हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना ने चिन राज्य में चल रही गतिविधियों को लेकर पूरी सतर्कता बरत रखी है और हालात पर नजर बनाए हुए है। म्यांमार का चिन राज्य देश के सबसे गरीब इलाके में आता है। चिन राज्य और मिजोरम राज्य के बीच में 510 किमी लंबी खुली सीमा है जहां कोई बाड़ नहीं लगी है। एक भारतीय सैन्य अधिकारी ने बताया कि ताजा लड़ाई सेना और विद्रोहियों के बीच में बांग्लादेश की सीमा के करीब हुई है, लेकिन हम इस विद्रोह को हल्के में नहीं ले सकते हैं। एक दूसरे सूत्र ने कहा कि चिन राज्य में हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जुंटा सेना ने एक नदी पुल को उड़ाया था जिससे मिजोरम और म्यांमार के बीच व्यापार जून से बंद है। विद्रोहियों के कई इलाकों में आगे बढ़ने के बाद चिन राज्य में सुरक्षा के हालात बहुत खराब है। पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने जुंटा सेना के एयर डिफेंस बटालियन और 8 अन्य सैन्य अड्डों को मांडले में जब्त कर लिया है। म्यांमार की निर्वासित सरकार ने बताया कि ताजा लड़ाई पूर्वी शान राज्य में भी शुरू हो गई है जहां सरकारी सेना ने चीन के कराए सीजफायर का उल्लंघन किया था। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध पर गहरी चिंता जाहिर की है। भारत ने मदद का ऑफर भी दिया है।

इटली पुलिस ने भारतीय श्रमिक की मौत मामले में खेत के मालिक को गिरफ्तार किया

रोम । इटली पुलिस ने कृषि उपकरण से हाथ कटने के कारण हुई भारतीय श्रमिक की मौत मामले में खेत के मालिक को गिरफ्तार किया है। अभियोजकों ने बताया कि खेत के मालिक ने खून से लथपथ श्रमिक को उसी के हाल पर छोड़ दिया था और एम्बुलेंस तक को फोन नहीं किया और अधिक खून बहने के कारण श्रमिक की मौत हो गई। श्रमिक की पहचान सतनाम सिंह के रूप में हुई है जो एक अवैध प्रवासी था। सिंह की मौत से इटली के लोग सकते में हैं और कार्य स्थल पर बेहतर माहौल की मांग को लेकर कृषि संघों और श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। विरोध-प्रदर्शन में श्रमिकों ने इटली के कृषि उद्योग में कम वेतन पर काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों का शोषण करने वाली व्यवस्था को खत्म करने का आह्वान किया। देश के राष्ट्रपति सर्जियो मटेरेला ने भी मामले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सिंह जैसे श्रमिकों के साथ ''क्रूरता' की जाती है और इटली में कृषि श्रमिकों को अक्सर ''अमानवीय'' हालात में काम करना पड़ता है। बयान में कहा कि खेत के मालिक एंटोनेलो लोवाटो को गिरफ्तार किया गया है। फॉरेंसिक जांच में पता चला कि सिंह की मौत ''अत्यधिक रक्त बहने'' के कारण हुई थी।

अंतरिक्ष में भी अमेरिका को टक्कर देने की तैयार में ड्रैगन, अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन । अंतरिक्ष में लंबे समय से अमेरिका ने अपनी बादशाहत कायम रखी थी, लेकिन अब बादशाहत पर खतरा है। चीन जिस तेजी से अंतरिक्ष में अपनी क्षमता को बढ़ाते हुए रणनीतिक युद्धाभ्यास पर जोर दिया है, वह जल्द ही अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम होगा। अमेरिकी थिंक टैंक अपनी नई रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट में चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पिछले दो दशकों में हासिल की गई अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं पर विश्लेषण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के नेता शी जिनपिंग अमेरिका एक कमजोर होती ताकत के रूप में देख रहे हैं। इसकारण चीन अब भविष्य में अंतरिक्ष में मुकाबले के लिए आक्रामक तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि चीन अंतरिक्ष में अपनी सैन्य तैयारियों को मुख्य रूप से अमेरिका को ध्यान में रखकर तैयार कर रहा है। अमेरिकी थिंक टैंक ने सलाह दी है कि अमेरिकी अधिकारियों को बहुत कम संचार के साथ त्वरित निर्णय लेने की उम्मीद करनी चाहिए और अंतरिक्ष संकटों में पीएलए से सहयोग की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी अंतरिक्ष बल को शांतिकाल में भी पीएलए की आक्रामक कार्रवाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए।

पाकिस्तान में नासूर बना आंतक...380 मौतें

लौहार । पाकिस्तान में 240 आतंकी घटनाओं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप हिंसा से जुड़ी 380 मौतें और नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों के बीच 220 चोटें दर्ज की गईं। एक रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के केंद्र थे, इस दौरान लगभग 92 प्रतिशत मौतें और 87 प्रतिशत हमले (आतंकवाद और संचालन की घटनाओं सहित) हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि पूरे पाकिस्तान में हिंसा और हताहतों की दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई और देश में समग्र हिंसा में 12 प्रतिशत की कमी देखी गई, जिसमें पहली तिमाही में 432 की तुलना में 380 मौतें दर्ज की गई। सबसे उल्लेखनीय सुधार बलूचिस्तान में देखा गया, जहां हिंसा में 46 प्रतिशत की कमी आई, इस वर्ष की पहली तिमाही में मृत्यु दर 178 से घटकर दूसरी तिमाही में 96 रही। हालांकि, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः 13 और 31 मौतों की वृद्धि के साथ हिंसा में वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों को कुल मौतों में से 62 प्रतिशत का नुकसान हुआ, जो डाकुओं के बीच 38 प्रतिशत की घातक क्षति से काफी अधिक है। साम्प्रदायिक हिंसा के कारण करीब 11 लोगों की जान चली गई।

6700 करोड़पतियों का नया आशियाना बनने को तैयार दुबई

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का व्यापारिक केंद्र दुबई दुनिया भर के अमीरों के आकर्षण का केंद्र है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुबई में इस साल 6700 करोड़पतियों के आने का अनुमान है। अब दुबई में आने वाले अमीर लोगों की संख्या अमरीका से लगभग दोगुना है। अमरीका में इसतरह के 55 लाख लोग 10 लाख डॉलर या उससे अधिक की संपति रखते हैं।

दुबई व्यापार करने के लिए आसान जगह होने के साथ ही दुनिया में लगभग हर जगह के लिए यहां से सुविधाजनक उड़ानें है। इसकी सड़कें न्यूयॉर्क या लंदन की तुलना में ज्यादा साफ-सुथरी और अधिक सुरक्षित हैं। दूसरा यह विदेशी अमीरों को इसलिए भी अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि यहां पर आय, संपति या पूंजीगत लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता है। रिपोर्ट में कहा गया है लंबे समय से पड़ोसी देशों के अमीर रूसियों, भारतीयों और अरबों के लिए एक शरणस्थल रहा दुबई अब मुगल प्रवासियों के एक नए समूह को आकर्षित कर रहा है फ्रांस में कट्टर-दक्षिणपंथी सरकार के सत्ता में आने की खबरों के बाद फ्रांस के अमीर दुबई में बसने के लिए ब्रोकर और एजेंटों को कॉल कर रहे हैं। 2024 के पहले तीन महीनों में दुबई में भारतीयों के साथ-साथ फ्रांसीसी और इटालियंस घर खरीदने में सबसे ज्यादा उत्साहित थे। कहा जा रहा है कि फरवरी माह में यूरोपीय लोगों ने दुबई ने अपनी ओर एकाएक खींच लिया जब यहां एक अंतर-सरकारी निकाय, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफ.ए.टी.एफ.) ने मनी-लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय शरारती लोगों द्वारा पसंद किए जाने वाले संदिग्ध स्थानों की अपनी ग्रे सूची से हटा दिया। दुबई को यूरोपियन अमीरों द्वारा तरजीह देने का एक और कारण यह है कि गाजा पट्टी पर चल रहे संघर्ष के बीच अब इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इसकारण यूरोपियन अमीर तर्क देते हुए दिखाई देते हैं कि यह एक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

नैरोबी में टेक्स बढ़ाये जाने के खिलाफ हुए प्रदर्शन में मारे गये लोगों को लेकर विरोध व्यक्त करता हुआ एक प्रदर्शनकारी।

अमेरिका और ब्रिटेन में फिर से कोरोना की आहट... मास्क पहनना अनिवार्य

वॉशिंगटन। अमरीका और ब्रिटेन में कोविड की एक और लहर की संभावना है क्योंकि दोनों ही देशों से संक्रमण की सूचनाएं आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन की आबादी के एक कमजोर वर्ग को मास्क पहनने के निर्देश और टीकाकरण में भी तेजी लाई गई है। वहीं दूसरी ओर अमरीका में अटलांटिक के पार मामलों में वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, क्योंकि रोग नियंत्रण केंद्र (सी.डी.सी.) नए कोविड-19 वेरिएंट की निगरानी कर रहा है जिसे एल.बी.1 के रूप में नामित किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से वायरस प्रकोप पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। (यू.के.एच.एस.ए.) के अनुसार 26 जून को लगभग हर 25,000 ब्रिटिश नागरिकों में से एक कोविड-19 से संक्रमित था। मार्च 2020 में यह 13 में से एक था। रिपोर्ट के अनुसार संक्रमण में वृद्धि सांख्यिकीय रूप से मार्च 2020 की तुलना में बहुत कम है, जब पहली बार यू.के. में महामारी की सूचना दी गई थी। दो नए सब-वेरिएंट केपी.2 और केपी.1 को फ्लर्ट नाम दिया गया है। फ्लर्ट ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट्स का एक ग्रुप है और ये दोनों इस ग्रुप के अंदर ही आते हैं। केपी.1 और केपी.2 को फ्लर्ट उपनाम वैज्ञानिकों ने उनके म्यूटेशन के तकनीकी नाम के आधार पर दिया है। मार्च में, इन वेरिएंट की अमरीकी आबादी में केवल पांच प्रतिशत हिस्सेदारी थी। ब्रिटिश महामारी विज्ञान विशेषज्ञ पॉल हंटर के हवाले से कहा गया है कि उन्हें नहीं लगता कि वर्तमान कोविड-19 संक्रमण दर चिंताजनक है।

क्या भारतीय मूल की कमला हैरिस होंगी अमेरिका की अगली राष्ट्रपति? सीएनएनके सर्वे में क्या नई बात सामने आई

काठमांडू, (एजेंसी)। व्हाइट हाउस और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के सात वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, यदि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने इलेक्शन अभियान को जारी नहीं रखने का निर्णय लेते हैं, तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस उनकी जगह लेने के लिए शीर्ष विकल्प हैं। पिछले हफ्ते रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ पहली बहस में बाइडेन के लड़खड़ाते, कभी-कभी असंगत और व्यापक रूप से प्रचारित प्रदर्शन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर चिंता की लहर पैदा कर दी है। बाइडेन को लेकर ये अटकलें चलने लगी हैं कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए पर्याप्त रूप से फिट हैं या नहीं। समाचार एजेंसी के सूत्रों के अलावा, सीएनएन पोल ने भी दावा किया कि हैरिस के पास व्हाइट हाउस बरकरार रखने का बेहतर मौका है। एसआरएस द्वारा कराए गए सीएनएन पोल के मुताबिक, ट्रंप बाइडेन से छह अंक आगे हैं।

सर्वेक्षण में हैरिस को एक काल्पनिक मुकाबले में ट्रम्प से काफी दूरी पाया गया है। पंजीकृत मतदाताओं में से 47 प्रतिशत ट्रम्प का समर्थन करते है, 45 प्रतिशत हैरिस को पसंद करते है जो बताता है कि ऐसे परिदृश्य में कोई स्पष्ट नेता नहीं है। ट्रम्प के खिलाफ हैरिस का थोड़ा मजबूत प्रदर्शन कम से कम आंशिक रूप से महिलाओं के व्यापक समर्थन पर निर्भर करता है (50प्र. महिला मतदाताओं ने ट्रम्प के मुकाबले हैरिस का समर्थन किया, जबकि 44ब ने ट्रम्प के खिलाफ बाइडेन का समर्थन किया) और निर्दलीय (43ब हैरिस बनाम 34प्र. बिडेन) का समर्थन किया।

कुछ प्रभावशाली डेमोक्रेट ने हैरिस के अलावा बिडेन के लिए विकल्प तैयार किए हैं, जिनमें लोकप्रिय कैबिनेट सदस्य और कैलिफोर्निया के गेविन न्यूसोम, मिशिगन के ग्रेचेन व्हिटमर और पेंसिल्वेनिया के जोश शापिरो जैसे डेमोक्रेटिक गवर्नर शामिल हैं। लेकिन नाम न छापने की शर्त पर इन सूत्रों ने कहा कि हैरिस को दरकिनार करने की कोशिश करना इच्छाधारी सोच है और यह लगभग असंभव होगा। सूत्रों ने कहा कि अगर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया जाता है, तो 59 वर्षीय हैरिस, बिडेन अभियान द्वारा जुटाए गए धन और अभियान के बुनियादी ढांचे को विरासत में ले लेंगी। सूत्रों ने कहा कि सभी विकल्पों में से उनके पास सबसे ज्यादा नाम पहचान है और डेमोक्रेट्स के बीच सबसे ज्यादा मतदान है, जिन्हें गंभीरता से उम्मीदवार माना जा सकता है।

रुस जा रहे पीएम मोदी... इस बाहुबली के सौदे पर हो सकती बात

मास्को (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई को रूस की यात्रा पर जा रहे हैं। पीएम मोदी की मास्को यात्रा को इस नजरिए से देखा जा रहा है कि वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत और रूस की दोस्ती कमजोर नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इस बातचीत के दौरान पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को लेकर चर्चा हो सकती है। पुतिन रूस के सुखोई-57 को लेकर पीएम मोदी से बातचीत कर सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी और पुतिन के बीच बातचीत में एक लॉजिस्टिक सप्लाई समझौते को शामिल किया जा सकता है जो दोनों देशों की सेनाओं के बीच में होगा। इसके अलावा पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के संयुक्?त विकास पर फिर से बातचीत शुरू करने तथा परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ाने पर भी बातचीत होगी है। उन्होंने बताया कि दोनों ही देश फिर से रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं जो पेमेंट में दिक्कत और भारत के पश्चिमी प्रतिबंधों के डर की वजह से यह रुक गया था। अब रूस और भारत के बीच पेमेंट का विवाद खत्म हो गया है।

सूत्र बताते हैं कि भारत का पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए फिर से बातचीत शुरू करना कई कारणों से एक तर्कपूर्ण फैसला है। इस पांचवीं पीढ़ी के नए फाइटर जेट को सुखोई 57 के आधार पर ही बनाया जाना है। वहीं भारतीय वायुसेना दो सीटों वाले फाइटर जेट को चाहती थी। इस कारण भारत ने खुद को सुखोई-57 के प्रोग्राम से खुद को अलग कर लिया था। हालांकि बाद में इस खरीदने के विकल्प को भारत ने खुला रखा था। सूत्र ने कहा कि इसके बाद से रूस ने भारतीय वायुसेना की बताई हुई कमियों को दूर किया है और ऑपरेशनल टेस्टिंग की है। सुखोई 57 के ताजा वेरिएंट में दो इंजन है जो सुखोई को सुपरक्रूज क्षमता प्रदान करता है। भारत और रूस के बीच यह बातचीत तब शुरू हो सकती है जब चीन और पाकिस्तान दोनों ही रेडार की पकड़ में नहीं आने वाले फाइटर जेट को अपनी सेना में शामिल कर रहे हैं।

अमेरिका में नजर आया यूएफओ, जो उड़ नहीं सड़क पर दौड़ रहा था

सैन फ्रांसिस्को । एलियंस होते हैं या नहीं, इसे लेकर सालों से बहस छिड़ी हुई है। लेकिन आजतक कोई सबूत नहीं मिला और न ही किसी आधिकारिक रुप से एलियंस होने या न होने की पुष्टि की गई है। वहीं सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जिसमें एलियंस होने का दावा किया जाता है। अमेरिका में एलियंस के दिखने या यूएफओ स्पॉट की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। एक बार फिर एक ऐसी ही घटना सामने आई है। अमेरिका के मिसौरी में एक घटना घटी उसने वहां मौजूद लोगों को हैरान में डाल दिया। वहां सड़क पर एक यूएफओ जैसी चीज़ दौड़ती हुई दिखाई दी। सड़क पर यूएफओ उड़ नहीं रहा बल्कि दौड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये अजीबोगरीब नज़ारा अमेरिकन राज्य मिसौरी की क्रॉफोर्ड काउंटी में हुई, जिसे पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक किया है। यहां रोज़वेल फेस्टिवल के लिए जा रहे लोगों के बीच कार की जगह एक ऐसा वाहन दिखा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। ये यूएफओ की तरह था और उसके खुलने के लिए ऊपर की ओर ढक्कन भी था। पुलिस ने इसकी स्पीड की वजह से इसे रास्ते में ही रोक लिया, फिर यूएफओ जैसे इस वाहन से ड्राइवर के तौर पर एक इंसान निकला। पुलिस को ये समझते देर नहीं लगी कि ये ड्राइवर की क्रिएटिविटी है, जिसने कार को ही एक उड़न तश्तरी का लुक दे दिया है. फेसबुक पर ये घटना शेयर करते हुए पुलिस ने लिखा- 'आप नहीं जान सकते हैं कि आपको क्रॉफोर्ड काउंटी में क्या मिल जाएगा। ये वास्तव में इस दुनिया से अलग की चीज़ है। उन्होंने कहा कि ये बेहद अजीब था लेकिन लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट दे गया। लोगों ने इस पोस्ट पर दिलचस्प रिएक्शन दिए और शख्स की खूब तारीफ की जिसने इस तरह की क्रिएटिविटी की है।

ट्रंप पर कौन से मामले में चलेगा केस... तय करेगी भारतीय मूल की न्यायाधीश

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति की छूट पर फैसला सुनाया है। भारतीय मूल की न्यायाधीश तान्या चुटकन को यह तय करने के लिए छोड़ दिया है कि 2020 के चुनाव में जो बाइडेन से अपनी हार को पलटने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयासों से जुड़े संघीय आपराधिक मामले में कितना आगे बढ़ सकते हैं। छुटकन को तय करना होगा कि ट्रंप के कौन से कार्य आधिकारिक थे और उन्हें मामले से बाहर रखा जाना चाहिए और कौन से निजी कार्य थे जिन पर मुकदमा चल सकता है। अदालत के फैसले में घोषित किया गया कि ट्रंप को राष्ट्रपति के रूप में अपने आधिकारिक कर्तव्यों के तहत कार्यों के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने से व्यापक सुरक्षा प्राप्त है।

वाशिंगटन में अमेरिकी जिला न्यायालय में न्यायाधीश तान्या छुटकन को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने नियुक्त किया था। उनके पिता, विंस्टन चुटकन, इंडो-जमैका वंश के एक डॉक्टर हैं, और उनकी माँ, नोएल, एक अफ्रो-जमैका हैं, जो जमैका की नेशनल डांस थिएटर कंपनी में एक प्रमुख नर्तक थी। रिपोर्ट के अनुसार तान्या चुटकन के परदादा को गिरमिटिया मजदूर के रूप में भारत से जमैका ले जाया गया था और उनके पिता का जन्म एक चीनी बागान में हुआ था।

वाशिंगटन में अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश छुटकन को सौंपी गई अदालत को विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा लाए गए चार-गिनती आपराधिक अभियोग पर इस छूट को लागू करने के जटिल कार्य का सामना करना पड़ता है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव: बाइडेन ने माना वह ट्रम्प से बहस करते समय सो गए थे

- सर्वेक्षण : 45 फीसदी डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडेन पद छोड़ दें

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर बहस का दौर जारी है जिसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बहस चल रही हैं। वहीं पिछले दिनों हुई एक को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने माना कि वह अपने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई बहस के दौरान सो गए थे और उनका कमजोर प्रदर्शन दुनिया भर में यात्रा करने और करीब 100 क्षेत्रों से गुजरने के कारण जेट लैग के कारण हुआ था।

जो बाइडेन ने यह बात बहस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट्स के दबाव के बीच कही है, साथ ही नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता में वापस आने पर चार और साल तक पद पर बने रहने की उनकी संज्ञानात्मक क्षमता पर बढ़ते सवालों के बीच कही है। मंगलवार को मैकलीन, वर्जीनिया में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाइडेन ने कहा कि मेरी रात अच्छी नहीं रही। मैं बहुत होशियार नहीं था। मैंने बहस से पहले दुनिया भर में दो बार यात्रा करने का फैसला किया, जिसमें मैंने करीब 100 क्षेत्रों का दौरा किया। मैंने अपने स्टाफ की बात नहीं सुनी और वापस आकर मंच पर ही सो गया। यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन यह एक स्पष्टीकरण है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने जून में सिर्फ दो हफ्तों के अंतराल में फ्रांस और इटली की यात्रा की और फिर जी7 शिखर सम्मेलन से रातों-रात लॉस एंजिल्स के लिए उड़ान भरी, जहां वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ एक कार्यक्रम में शामिल हुए। 27 जून की बहस से पहले, उन्होंने इस आयोजन की तैयारी के लिए वाशिंगटन डी.सी. के पास कैंप डेविड में छह दिन बिताए, जो अमेरिकी राष्ट्रपतियों के लिए देश का एकांतवास है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बाइडेन के खराब प्रदर्शन के लिए सर्दी को जिम्मेदार ठहराया है। बाइडेन जो पहले से ही सबसे उम्रदराज अमेरिकी राष्ट्रपति है, लेकिन वह पांच नवंबर को चुनाव जीतते हैं तो अगले साल शपथ लेने तक वह 82 साल के हो जाएंगे।

एक सर्वेक्षण में यह भी बताया कि 78 वर्षीय ट्रम्प और बिडेन को पंजीकृत मतदाताओं के 40 फीसदी का समर्थन मिला है, जो यह दर्शाता है कि बहस के बाद से बाइडेन ने अपनी जमीन नहीं खोई है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 45 फीसदी डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडेन पद छोड़ दें। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सांसद लॉयड डॉगेट पार्टी में पहले व्यक्ति बन गए जिन्होंने सार्वजनिक रूप से बाइडेन को पद छोड़ने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की बहस की पराजय उनकी कई उपलब्धियों का प्रभावी ढंग से बचाव करने में विफल रही।

अमेरिका में दिखेगी राम मंदिर की झलक, 18 फीट ऊंची झांकी तैयार, 1.50 लाख लोग होंगे शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 18 अगस्त को न्यूयॉर्क में भारत दिवस परेड के दौरान अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकियों को आकर्षित करता है। यह पहला अवसर है जब राम मंदिर की प्रतिकृति संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) के महासचिव अमिताभ मित्तल के अनुसार, मंदिर की प्रतिकृति 18 फीट लंबी, नौ फीट चौड़ी और आठ फीट ऊंचाई होगी।

इस वर्ष 22 जनवरी को एक ऐतिहासिक क्षण में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पुजारियों के एक समूह के नेतृत्व में, अयोध्या में राम मंदिर में श्री राम लला की %प्राण प्रतिष्ठा% का वैदिक अनुष्ठान किया। भगवान राम की 500 वर्षों के बाद अपनी मातृभूमि में वापसी के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ऐतिहासिक मंदिर के उद्घाटन की अमेरिका सहित दुनिया भर में भारतीयों ने सराहना की।

न्यूयॉर्क में भारत दिवस परेड

1981 से हर 15 अगस्त को, भारतीय अमेरिकी एक परेड की मेजबानी करके भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। न्यूयॉर्क में वार्षिक भारत दिवस परेड भारत के बाहर भारत के स्वतंत्रता दिवस का सबसे बड़ा उत्सव है। आम तौर पर 150,000 से अधिक लोग वार्षिक परेड देखते हैं जो मिडटाउन न्यूयॉर्क में ईस्ट 38वीं स्ट्रीट से ईस्ट 27वीं स्ट्रीट तक चलती है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) द्वारा आयोजित इस परेड में न्यूयॉर्क की सड़कों पर विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली कई झांकियां दिखाई देंगी।

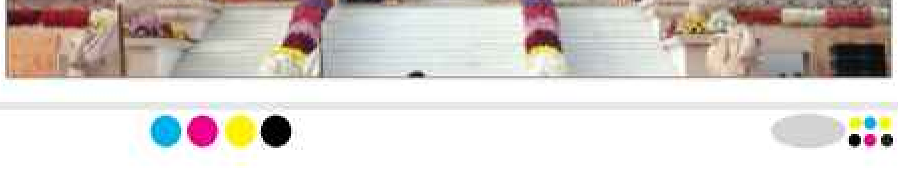

जब.... पटना जंक्शन पर टल गया बड़ा ट्रेन हादसा

पटना। पटना जंक्शन के पास तब एक बड़ा रेल हादसा टल गया जब पूर्णिया से हटिया जा रही पूर्णिया–हटिया एक्सप्रेस की दो बोगियों के बीच का कपलिंग टूट गया। ट्रेन अचानक तेज झटके के साथ रुक गई, इससे यात्री घबरा गए और जल्दी से ट्रेन से उतरकर पटरी पर आ गए। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। यदि ट्रेन तेज गति से चलती तब गंभीर हादसा हो सकता था। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रेन एक घंटे से अधिक समय से प्लेटफॉर्म नंबर 10 के बाहरी क्षेत्र में खड़ी है, जबकि एक तकनीकी टीम और अधिकारी दबाव पाइप और अन्य तकनीकी समस्याओं को ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। तकनीकी टीम बोगी को ठीक करने के लिए तेजी से काम कर रही है। जानकारी के मुताबिक दोपहर 1 बजे तक ट्रेन पटना जंक्शन पर ही खड़ी रही। इस घटना की वजह से पटना जंक्शन होकर आने–जाने वाली कई ट्रेनों का आवागमन भी प्रभावित हुआ। श्रमजीवी एक्सप्रेस, सहरसा राज्यरानी एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी कई ट्रेनों को पटना पहुंचने में देरी हुई। वहीं पटना जंक्शन से खुलने वाली कई ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से विलंब से खुली। इस वजह से हजारों यात्रियों को जहां–तहां परेशान होना पड़ा।

शौचालय में लिखा बम.... पूरे विमान की हुई जांच

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ से अमौसी एयरपोर्ट से अबूधाबी जाने के लिए तैयार विमान में तब हड़कंप मच गया जब शौचालय में बम लिखे होने की सूचना मिली। आनन–फानन में यात्रियों को उतार कर फ्लाइट चेक की गई। देर रात जांच के बाद विमान को अबूधाबी के लिए रवाना किया गया। इंडिगो की फ्लाइट लखनऊ से शाम 6-15 बजे अबूधाबी के लिए जाती है। शाम विमान उड़ान भरने को तैयार था। तभी शौचालय गए यात्री ने वहां बम लिखे होने की सूचना दी। पायलट ने एटीसी से संपर्क किया। एटीसी की सूचना पर सुरक्षा जवानों ने विमान को घेर लिया। डाग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते के साथ जवान विमान के भीतर दाखिल हुए। सभी यात्रियों को नीचे उतारा गया। विमान के भीतर जांच के बाद जवानों ने कार्गो एरिया की भी तलाशी ली। देर रात जांच के बाद विमान को रवाना किया गया।

मेघालय में शुरू हुआ भारत–मंगोलिया का संयुक्त युद्धभ्यास, सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना है मकसद

नई दिल्ली। भारत और मंगोलिया की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' का 16वां संस्करण आज मेघालय के उमरोई में शुरू हुआ। 16 जुलाई तक चलने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य अर्ध–शहरी या पहाड़ी क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई के लिए संयुक्त सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना है। / सिक्किम स्काउट्स' की एक बटालियन के 45 कर्मियों के साथ–साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के कर्मियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया, भारतीय दल 150 त्वरित प्रतिक्रिया बल बटालियन के मंगोलियाई समकक्ष के साथ हाथ मिलाता है। दोनों सेनाओं के बीच आखिरी अभ्यास जुलाई 2023 में आयोजित किया गया था। भारत में मंगोलिया के राजदूत महामहिम डंबजाविन गैनबोल्ड और भारतीय सेना के 51 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल प्रसन्ना जोशी ने 'नोमैडिक एलीफेंट' नामक अभ्यास के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अधिकारिक बयान में कहा गया कि अभ्यास अर्ध–शहरी और पहाड़ी इलाकों में संचालन पर ध्यान केंद्रित करेगा। अभ्यास के दौरान सामरिक अभ्यास में आतंकवादी कार्रवाई का जवाब देना, एक संयुक्त कमांड पोस्ट की स्थापना, एक खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, एक हेलीपैड/लैंडिंग साइट की सुरक्षा शामिल है। मंगोलिया के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख मेजर जनरल ड्रानड्याम्बा सनरेंध और भारतीय सेना के 33 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए मिनवाला 16 जुलाई, 2024 को समापन समारोह में भाग लेंगे।

चार दिन में 74 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

जम्मू। कश्मीर में अमरनाथ मंदिर में पिछले चार दिनों में 74 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। वहीं 5 हजार 725 यात्रियों का एक और जत्था बुधवार को कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार की सुबह भगवती नगर यात्री निवास से 5,725 यात्रियों का एक और जत्था घाटी के लिए दो सुरक्षा काफिलों में रवाना हुआ। इनमें से 2,514 यात्री 118 वाहनों के सुरक्षा काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जबकि 3,211 यात्री 120 वाहनों में सुरक्षा बलों की सुरक्षा में दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुए। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह के समय गरज के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इस साल की यात्रा के दौरान सात हजार से ज्यादा सेवादार (स्वयंसेवक) यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने तीन जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें जोड़ने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

बस के फेल हुए ब्रेक, सैनिकों ने बचाई 40 तीर्थ यात्रियों की जान

देहरादून। सुरक्षा बलों की सूझबूझ ने अमरनाथ यात्रा से लौट रही बस के साथ बड़े हादसे को टाल दिया। इस बस में करीब 40 लोग सवार थे। यह बस अमरनाथ से होशियारपुर के रास्ते पर थी। इसी दौरान नेशनल हाईवे 44 पर बस ने रामबन के पास कंट्रोल खो दिया। इसकी वजह थी कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे और ड्राइवर इसे रोक नहीं पा रहा था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में दिखता है कि लोग चिल्ला रहे हैं कि बस के ब्रेक फेल हो गए हैं। इसके साथ ही हाईवे पर पेट्रोलिंग में तैनात सैनिक और जम्मू–कश्मीर पुलिस के जवान सक्रिय हो जाते हैं। आगे की टीम को अलर्ट किया जाता है और पीछे से भी कुछ सैनिक मदद के लिए भागते हैं। बस के रास्ते में पत्थर लगा दिए जाते हैं ताकि वह रुक जाए और सड़क से नीचे फिसलकर खाई में न गिर जाए। सौभाग्य रहा कि सैनिकों की मेहनत रंग लाई और बस को हादसे से बचा लिया गया।

महाराष्ट्र में जीका वायरस को लेकर अलर्ट, स्क्रीनिंग और मॉनिटरिंग पर जोर

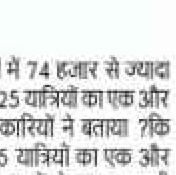

मुंबई। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में जीका वायरस के मामलों की रिपोर्ट के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक एडवाइजरी जारी कर सभी राज्यों से स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखने का आग्रह किया है। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की जांच और संक्रमण के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली माताओं में भ्रूण के विकास की निगरानी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

स्क्रीनिंग और मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया

राज्यों को जीका वायरस के लिए गर्भवती महिलाओं की जांच को प्राथमिकता देने और संक्रमित लोगों में भ्रूण के विकास की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इस उपाय माइक्रोसेफली के साथ जीका के संबंध के कारण महत्वपूर्ण है, एक ऐसी स्थिति जिसके कारण प्रभावित माताओं से पैदा होने वाले शिशुओं में सिर का आकार सामान्य से छोटा होता है।

एडीज मच्छर के संक्रमण से निपटने के लिए नोडल अधिकारी

स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल की सलाह में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एडीज मच्छरों के संक्रमण की निगरानी और रोकथाम के लिए जिम्मेदार एक नोडल अधिकारी नामित करने का भी आह्वान किया गया है। डेंगू और चिकनगुनिया की तरह जीका भी एडीज मच्छरों से फैलता है।

राहुल के हिंदू वाले बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

–बिना शर्त माफी मांगें नेता प्रतिपक्ष, तेजस्वी सूर्या समेत कई नेता हिरासत में

नयी दिल्ली (एजेंसी)। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदुओं को लेकर टिप्पणी की उसे लेकर हंगामा मचा हुआ है। संसद में ही नहीं सड़क पर भी बीजेपी नेता अब कांग्रेस को घेर रही है। दिल्ली में बीजेपी ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, और कर्नाटक से सांसद तेजस्वी सूर्या को हिरासत में ले लिया।

इस विरोध प्रदर्शन में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज समेत कई नेता कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी कांग्रेस मुख्यालय के सामने जुटे थे। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को हिंसक कह कर अपमानित किया है। अब मैं आग्रह करता हूं कि राहुल बिना शर्त हिंदू समाज से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि हम बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय का घेराव करेंगे और जब तक माफी नहीं मांगेंगे तब तक युवा मोर्चा ऐसे विरोध प्रदर्शन करता रहेगा।

वहीं, नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने लोकसभा में राहुल गांधी के दिए बयान को झूठा करार बताया और उन्हें चुनावी हिंदू बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने झूठ का सहारा लेकर हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति पर अभद्र टिप्पणी की है। हिंदू हिंसक नहीं है। समाज वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर चलता है। यानी पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। माननीय राहुल गांधी एक चुनावी हिंदू हैं। जब उनको वोट बैंक की राजनीति करनी होती है तो जनेऊ धारण कर रुद्राभिषेक का नाटक करते हैं। बांसुरी ने इंडिया गठबंधन की विवादित टिप्पणियों पर भी कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब सदन में खड़े होते हैं तो उनकी असली हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी मानसिकता परिलक्षित होती है लेकिन ये पहली बार नहीं है। इंडी गठबंधन बार बार सनातन धर्म का अपमान करता रहा है। डीएमके, जो इंडी गठबंधन का पार्टनर है, ने कह दिया था कि सनातन धर्म एक बीमारी है। उन्होंने सनातन संस्कृति को उखाड़ फेंकने की बात भी की थी। तब भी कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुप्प रहे थे। अब ये सदन में बढ़चढ़कर झूठ बोल रहे हैं। इसलिए अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी के वक्तव्य को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। जो रोज हमें समझाते हैं, हिंदू हिंसक होते हैं, वे संसद में चिल्लाते हैं...तो कुछ ऐसे ही हैं राहुल गांधी। उनका बयान निंदनीय और शर्मनाक है। पूरा हिंदू समाज राहुल गांधी का बहिष्कार करेगा। राहुल गांधी को माफी मांगनी होगी। एक सवाल पर कि कांग्रेस पूरे समाज को नहीं, सिर्फ बीजेपी को ऐसा कह रही है। इस पर सचदेवा ने कहा, कांग्रेस का गैंग जस्टिफाई करने की कोशिश कर रहा है। वह एक समाज विशेष को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। सवाल है कि राहुल गांधी को अपनी बहन को वायनाड से चुनाव लड़ाना है तो क्या इस तरह के बयान देंगे? हमारी मांग है कि राहुल गांधी माफी मांगें।

युद्ध में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए रुस पर बनाया दबाव : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत ने यूक्रेन युद्ध में फंसे रूसी सेना में सेवारत भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए रूस पर दबाव डाला, क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर दोनों विदेश मंत्रियों के बीच बैठक से 8–9 जुलाई के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा के लिए जमीन तैयार करने में भी मदद मिली। विदेश मंत्री जयशंकर ने पोस्ट में संकेत दिया कि उन्होंने रूसी सेना में सेवारत भारतीयों का मुद्दा उठाया था। उन भारतीय नागरिकों पर हमारी कड़ी चिंता व्यक्त की गई है जो इस समय युद्ध क्षेत्र में हैं। पिछले महीने भारत ने कहा था कि उसे उम्मीद है कि यूक्रेन के साथ संघर्ष के दौरान चार भारतीयों की मौत के बाद रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती पर सत्यापित रोक की नई दिल्ली की मांग पर रूस कार्रवाई करेगा।

प्रधानमंत्री को न अपने पद, न सदन की गरिमा की चिंता : अशोक गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया वह उनकी (मोदी की) हताशा का परिचायक है। गहलोत ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री को ना अपने पद और ना ही सदन की गरिमा की चिंता है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया वह उनकी हताशा का परिचायक है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री जी को ना अपने पद और ना ही सदन की गरिमा की चिंता है।'

गहलोत ने कहा, ' जनता उनकी हताशा को जान चुकी है इसलिए उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।' मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को राहुल गांधी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों प्रकार से हमले किये। मोदी ने कहा कि देश में इन दिनों सहानुभूति का खेल और 'बालक बुद्धि' का विलाप जारी है, लेकिन इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गहलोत ने पलटवार करते हुए कहा, 'बांसवाड़ा, राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी रैली में मंगलसूत्र, घुसपैठिया जैसी में जो भाषण दिया उसके बाद लगातार एक जून तक उनके भाषण नकारात्मक रूप से देशभर में चर्चा में रहे एवं उनकी हार का एक कारण उनकी अनर्गल टिप्पणियां भी रही हैं।

बीआरएल को बड़ा झटका, खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए केशव राव

हैदराबाद (एजेंसी)। वरिष्ठ राजनेता के केशव राव बुधवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुए। खड़गे ने राव को पार्टी का दुपट्टा देकर सम्मानित करते हुए पार्टी में उनका स्वागत किया। एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपा दासमुंशी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी उपस्थित थे। कुछ हफ्ते पहले बीआरएस छोड़ने और कांग्रेस में दोबारा शामिल होने के बाद राव के लिए यह 'घर वापसी' थी।

राव ने 2000 के मध्य में संयुक्त आंध्र प्रदेश में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था, जब दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। एक वरिष्ठ सांसद, राव जब पार्टी में थे, तब वे पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के करीबी थे। वह पार्टी में केसीआर और पूर्व आईटी मंत्री व विधायक केटी रामाराव के बाद तीसरे नंबर पर थे। बीआरएस छोड़ने के बाद, राव ने कहा कि वह कांग्रेस में फिर से शामिल होना चाहते हैं जहां उन्होंने दशकों पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था।

उन्होंने महबूब कॉलेज एमपी हाई स्कूल में शिक्षक के रूप में एक छोटे कार्यकाल के बाद एक पत्रकार, अभिनेता निर्माता के रूप में अपना करियर शुरू किया। वह हैदराबाद से छपने वाले अंग्रेजी के लोकप्रिय दैनिक द डेली न्यूज के संपादक थे। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस, विजयवाड़ा और द पैट्रियट, दिल्ली में प्रशिक्षुता हासिल की। उनकी रचनाओं को खूब सराहा गया। उन्होंने आपातकाल (1975-77) का विरोध किया, विशेषकर मीडिया की सेंसरशिप का और इसके लिए द डेली न्यूज को काली सूची में डाल दिया गया।

राव एक वरिष्ठ कांग्रेसी रहे हैं और पार्टी तथा सरकार में कई उच्च पदों पर रहे हैं। उन्हें आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (2005) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया और बाद में वर्ष 2009 में उन्हें कांग्रेस कार्य समिति, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का सदस्य बनाया गया। उन्हें चार राज्य–पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का का प्रभारी बनाया गया। राव आंध्र प्रदेश राज्य में लगातार तीन सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे और उनके पास शिक्षा, उद्योग और श्रम जैसे महत्वपूर्ण विभाग थे। इससे पहले केशव राव आंध्र प्रदेश विधान परिषद के उपाध्यक्ष थे।

अमृतपाल सिंह 5 जुलाई को पहुंचने वाला है संसद, पंजाब सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष को भेजा पत्र

लखनऊ (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक नेता और खडूर साहिब के नवनिर्वाचित सांसद अमृतपाल सिंह 5 जुलाई को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने उनके शपथ ग्रहण के लिए रास्ता साफ कर दिया है। पंजाब सरकार के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए गए अमृतपाल को डिब्रूगढ़ से हवाई मार्ग से दिल्ली लाए जाने की संभावना है। विशेष रूप से पंजाब सरकार ने कुछ दिन पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक अनुरोध भेजा था, जिसमें खडूर साहिब के निर्वाचित सांसद ने संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए अस्थायी रिहाई या पैरोल की मांग की थी।

सांसद के रूप में शपथ लेने के लिए अमृतपाल के लिए आवश्यक सभी चीजें पूरी हो चुकी हैं। वह 5 जुलाई को शपथ लेंगे और डिब्रूगढ़ जेल वापस लाए जाएंगे। अमृतपाल के कानूनी सलाहकार इमान सिंह खारा ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने वाले कट्टरपंथी सिख नेता की याचिका एनएसए की धारा 15 के तहत 9 जून को जेल अधीक्षक के माध्यम से पंजाब सरकार को भेजी गई थी। डिब्रूगढ़ जेल अधीक्षक ने पत्र अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर को भेजा था, जिन्होंने इसे राज्य सरकार के मुख्यालय को भेज दिया, जिसने स्पीकर से अमृतपाल को शपथ लेने की अनुमति देने का आग्रह किया।

एनएसए की धारा 15 सरकार द्वारा किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए हिरासत में लिए गए व्यक्ति की अस्थायी रिहाई से संबंधित है, या तो बिना किसी शर्त के या उस दिशा में निर्दिष्ट शर्तों पर जिसे वह व्यक्ति स्वीकार करता है, और किसी भी समय, उसकी रिहाई रद्द कर सकता है।

इंद्रदेव के सामने मौसम विभाग फेल, बार-बार बदल रहा चेतावनी

– दिल्ली–एनसीआर को नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर बार की तरह एक बार फिर मौसम विभाग सटीक भविष्यवाणी बताने में फेल हो रहा है। इंद्रदेव के सामने आईएमडी की एक नहीं चल रही है। मौसम विभाग ऐसी फिरकी ले रहा है कि आम आदमी क्या, आईएमडी भी कन्फ्यूज है। मौसम विभाग बार-बार चेतावनी जारी करता है आज भारी बारिश होती या बारिश का अलर्ट जारी करता है लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। न तो बारिश हो रही और न गर्मी कम हो रही। दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी है, लेकिन बारिश का अता-पता नहीं। यह सवाल आईएमडी से पूछा जाना चाहिए कि आखिर उसके अनुमान फेल क्यों हो रहे हैं। बारिश की चेतावनी के बाद भी बादल क्यों नहीं बरस रहे। आखिर आईएमडी सटीक अनुमान बताने में क्यों फेल हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की एंट्री तो हो गई है लेकिन नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत। अभी तक दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन बारिश हुई है। मौसम विभाग बार-बार अलर्ट जारी कर रहा है कि बारिश होने वाली है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बादल तो छा रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। केवल दिल्ली ही नहीं, आज दिल्ली के अलावा, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और यूपी में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

आईएमडी के पूर्वानुमान फेल हो रहे हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली को लेकर बार-बार आईएमडी को अपना अलर्ट बदलना पड़ रहा है। पहले मौसम विभाग ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया था बाद में उसे ऑरेंज में बदल दिया। यानी पहले हल्की बारिश और बाद में फिर मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया। मौसम विभाग ने सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार तक के लिए दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया था लेकिन अब तक दिल्ली-एनसीआर वाले बारिश का इंतजार ही कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में होगी बेतहाशा वृद्धि: वायु सेना प्रमुख वीआर चौधरी

हैदराबाद (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि हथियार प्रणाली स्कूल के निर्माण के साथ, जमीन आधारित और विशेषज्ञ हथियार प्रणालियों के संचालक एक मंच पर आ जाएंगे, जिससे भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे इस एक नवगठित शाखा में अग्रणी हैं। इस कारण वे ऐसे स्तंभ हैं जिन पर परिकल्पित प्रशिक्षण व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी है। इससे वायु सेना सुदृढ़ होगी। स्कूल के संस्थापक सदस्यों की प्रशंसा करते हुए, वायु सेना प्रमुख ने सभी कर्मियों से देश में हथियार प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए स्कूल को एक नोडल केंद्र के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया।

वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने हैदराबाद के एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट में हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के इतिहास में एक नया अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने 08 अक्टूबर, 2022 वायु सेना दिवस परेड समारोह के दौरान हथियार प्रणाली स्कूल के गठन की घोषणा की थी। वर्ष 2022 में भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की एक नई इकाई हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) को स्वीकृति देने के बाद इसकी शुरूआत हुई। भारतीय वायु सेना को भविष्योन्मुख बल के रूप में पुनः व्यवस्थित करने और समयानुसार परिवर्तित करने के उद्देश्य से, इस नए प्रशिक्षण प्रतिष्ठान का गठन किया गया है। सामान्य रूप से सशस्त्र बलों और विशेष रूप से भारतीय वायु सेना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

वायु सेना प्रमुख का स्वागत हथियार प्रणाली स्कूल के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल प्रेमकुमार कृष्णस्वामी ने किया। उद्घाटन समारोह में एयर मार्शल नागेश कपूर, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान और भारतीय वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें एयर फोर्स अकादमी के कमांडेंट, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर के कमांडेंट, एयर फोर्स स्टेशन (हकीमपेट) के एयर ऑफिस कमांडिंग, और एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट के स्टेशन कमांडर शामिल थे। हथियार प्रणाली शाखा (डब्ल्यूएसएस) प्रकृति के अनुकूल प्रभाव आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आवश्यकताओं के अनुरूप नवगठित शाखा के अधिकारियों को तैयार करेगा। हथियार प्रणाली शाखा के

फ्लाइट कैडेट इस संस्थान में अपने दूसरे सेमेस्टर का प्रशिक्षण लेंगे। नई शाखा में सुखोई-30 एमकेआई और सी-130जे, हवाई प्लेटफार्मों में हथियारों और प्रणालियों को संचालित करने के लिए फ्लाइंग स्ट्रीम, दूर से संचालित विमानों को संचालित करने के लिए रिमोट स्ट्रीम, सतह से हवा और सतह से सतह पर मार करने वाली हथियार प्रणालियों के लिए मिशन कमांडर, ऑपरेटर और अंतरिक्ष-आधारित खुफिया और इमेजरी को संभालने के लिए इंटेलिजेंस स्ट्रीम चार धाराएं शामिल होंगी।